दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-191 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 08 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

"आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी."

- महात्मा गांधी

एक नज़र

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में लखनऊ अव्वल, इंदौर दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कारों में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने देशभर के शहरों में पहला स्थान हासिल किया है। मध्य प्रदेश के इंदौर को दूसरा और जबलपुर को तीसरा स्थान मिला है। 'नीले गगन के लिए स्वच्छ हवा के अंतरराष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर सोमवार को नई दिल्ली स्थित पर्यावरण भवन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों और वार्डों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार ने अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में प्रदान किए। विजेता शहरों के जिलाधिकारी, महापौर और संबंधित अधिकारियों ने पुरस्कार ग्रहण किए। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण एक बहुस्तरीय मूल्यांकन व्यवस्था है, जिसके तहत शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए किए जा रहे प्रयासों का विस्तृत आकलन किया जाता है। यह पहल राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का हिस्सा है और इसके तहत देश के 130 शहरों के बीच हर वर्ष मूल्यांकन किया जाता है। इसका उद्देश्य शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। श्रेणी-1 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का मूल्यांकन किया गया। इस श्रेणी में लखनऊ ने पहला, इंदौर ने दूसरा और जबलपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया। श्रेणी-2 में तीन से 10 लाख की आबादी वाले शहर शामिल किए गए। इस श्रेणी में ओडिशा के राउरकेला ने पहला स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद को दूसरा और आंध्र प्रदेश के गुंटूर को तीसरा स्थान मिला। महाराष्ट्र के अमरावती को भी शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहरों में स्थान मिला।

अबूधाबी जा रहे विमान में अचानक कम हुआ ईंधन, एक ही इंजन पर आपातकालीन लैंडिंग

कोच्चि, (आरएनएस)। कोच्चि से अबूधाबी जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान में उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के बाद उसे वापस कोच्चि हवाई अड्डे पर उतारा गया। करीब 36 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे विमान के एक इंजन में अचानक ईंधन का स्तर कम होने लगा। स्थिति को देखते हुए चालक दल ने संबंधित इंजन को बंद कर विमान को अबूधाबी ले जाने के बजाय वापस कोच्चि लाने का फैसला किया। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान संख्या आईएक्स-415 कोच्चि हवाई अड्डे से अबूधाबी के लिए रवाना हुआ था। उड़ान भरने के करीब 50 मिनट बाद जब विमान लगभग 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था, तब पायलटों ने एक इंजन में ईंधन की मात्रा तेजी से कम होते देखी।

रेस्क्यू ऑपरेशन पूराः सात मौतों के बाद खुलने लगा पीजी का राज, हरिराम नहीं असली मालिक; कर चुके वायुसेना में काम

नई दिल्ली(ए.) । पुलिस की शुरुआती जांच और पूछताछ में संपत्ति और उसके प्रबंधन को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। दस्तावेजों की जांच में पाया गया है कि यह संपत्ति कानूनी रूप से उर्मिला गुप्ता के नाम पर दर्ज है। वहीं पति हरिराम गुप्ता भारतीय वायुसेना से रिटायर्ड सार्जेंट हैं।

दिल्ली के मोती बाग स्थित सत्य निकेतन में इमारत ढहने के दर्दनाक हादसे में सात लोगों की जान चली गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में बिल्डिंग के मालिकों और लाभार्थियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 81 वर्षीय हरिराम गुप्ता, उनकी 75 वर्षीय पत्नी उर्मिला गुप्ता और 52 वर्षीय बेटा महेश गुप्ता शामिल हैं।

जांच में हुए अहम खुलासे

पुलिस की शुरुआती जांच और पूछताछ में संपत्ति और उसके प्रबंधन को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। दस्तावेजों की जांच में पाया गया है कि यह संपत्ति कानूनी रूप से उर्मिला गुप्ता के नाम पर दर्ज है। वहीं पति हरिराम गुप्ता भारतीय वायुसेना से रिटायर्ड सार्जेंट हैं। पत्नी के नाम पर संपत्ति होने के बावजूद, इमारत का पूरा प्रबंधन यही देख रहे थे। इमारत की दो मंजिलों के बिजली कनेक्शन भी हरिराम के नाम पर ही हैं। वहीं बेटा महेश भी इमारत के संचालन में पिता की मदद कर रहा था। महेश पेशे से हार्डवेयर और पेंट की दुकान चलाता है और उसके दो बच्चे हैं।

पीजी संचालक और ठेकेदार की तलाश तेज

बिल्डिंग मालिकों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस और प्रशासन के रडार पर पेइंग गेस्ट (पीजी) के संचालक और लेबर कॉन्ट्रैक्टर (ठेकेदार) हैं। पुलिस इनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस हादसे में इनकी भूमिका की भी गहनता से जांच की जाएगी और साक्ष्यों के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा, सात की मौत

संबंधित एजेंसियों द्वारा मौके पर चलाया जा रहा रेस्क्यू ऑपरेशन अब पूरी तरह से समाप्त हो गया है। मलबे से कुल 12 लोगों को बाहर निकाला गया था, जिनमें से सात लोगों की दुखद मौत हो गई। प्रशासन ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सभी मृतकों के शव उनके शोकाकुल परिजनों को सौंप दिए हैं।

नई दिल्ली में, दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक इमारत गिरने के बाद, आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन से जुड़े छात्र दिल्ली यूनिवर्सिटी और आस-पास के कॉलेजों में हॉस्टल की सुविधा की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन करते हुए ।

इंटर्न डॉक्टरों का प्रदर्शनः भोपाल में 4-5 किमी लंबा जाम, कमला पार्क से शाहजहानाबाद तक यातायात बेहाल

भोपाल (ए.)। हमीदिया अस्पताल के इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन का असर सोमवार शाम भोपाल के बड़े हिस्से के यातायात पर पड़ा। मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च के दौरान पुलिस द्वारा रोके जाने और इसके बाद हुए घटनाक्रम के चलते कमला पार्क से शाहजहानाबाद तक कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब 4 से 5 किलोमीटर तक जाम की स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों को मोती मस्जिद, फतेहगढ़ और मुख्यमंत्री निवास से करीब 200 मीटर पहले रोकने के दौरान पुलिस और इंटर्न डॉक्टरों के बीच झड़प हुई। पुलिस ने वाटर कैनन चलाया। डॉक्टरों ने बल प्रयोग और लाठीचार्ज का आरोप लगाया। इसके बाद बड़ी संख्या में डॉक्टर सड़क पर बैठ गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ।

इन इलाकों में सबसे ज्यादा असर

कमला पार्क, लालघाटी, रॉयल मार्केट, पीरगेट, फिजा, जहांगीराबाद, भोपालपुरा, जिंसी, रायसेन रोड, हमीदिया रोड, पॉलिटेक्निक चौराहा, रेतघाट, मोती मस्जिद, फतेहगढ़ और शाहजहानाबाद तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही।

नासा के मून बेस प्रोग्राम में इसरो की एंट्री? अमेरिकी राजदूत ने बताई अमेरिका की इच्छा

बेंगलुरु (आरएनएस)। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बेंगलुरु में आयोजित अंतरिक्ष प्रदर्शनी-2026 के दौरान दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी की सराहना करते हुए कहा कि अमेरिका भारत को चांद पर अपने साथ देखना चाहता है। उनका यह बयान अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की ओर से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को चंद्र आधार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिए जाने के करीब एक महीने बाद आया है।

दुबई में एआईएम कांग्रेस-2026 के मंच से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का वैश्विक निवेशकों को मध्यप्रदेश आने का आमंत्रण

मध्यप्रदेश में सरकार निवेशकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में दुनिया भर के निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के विशाल घरेलू बाजार के केंद्र में स्थित है और मजबूत कनेक्टिविटी, विकसित औद्योगिक आधार तथा निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को हर स्तर पर पूरा सहयोग मिलेगा और सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआईएम कांग्रेस-2026 के आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दे ते हुए कहा कि यह मंच पारंपरिक निवेश से आगे बढ़कर वैश्विक नवाचार, आर्थिक साझेदारी और नए अवसरों का सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीतिक परिस्थितियां, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित विकास आज निवेश की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं।

गडकरी बोले- मुझे शिक्षित से ज्यादा क्रिमिनल एरिया से वोट मिले

नागपुर, (आरएनएस)। अपनी बेबाकी से अक्सर सुर्खियों में रहने वाले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अब कहा है कि चुनावों के दौरान उन्हें अमीर या पढ़े-लिखे लोगों के दबदबे वाले इलाकों के मुकाबले क्रिमिनल एक्टिविटी, अंडरवर्ल्ड कनेक्शन और रेड-लाइट इलाकों के लिए जाने जाने वाले इलाकों से ज्यादा वोट मिले।

देश में कमजोर पड़ रहा मानसून, मध्य और पूर्वी भारत में बारिश का दौर जारी

-दिल्ली-एनसीआर में 8 सितंबर से बारिश कम होने के आसार, मध्य प्रदेश, बंगाल, बिहार और पूर्वोत्तर में भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में मानसून की गतिविधियां अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगी हैं। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में मानसून की गतिविधियों में कमी के संकेत मिल रहे हैं। आने वाले दिनों में मध्य, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में बारिश के साथ गरज-चमक और आंधी-तूफान की स्थिति बन सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में 8 सितंबर से मौसम के अपेक्षाकृत शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। तापमान में भी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। अगले कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है।

पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी बारिश की गतिविधियां धीरे-धीरे कम होने की संभावना है। हालांकि, इसे उत्तर भारत से मानसून की पूरी तरह वापसी नहीं माना जा सकता। बारिश की स्थिति काफी हद तक बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव क्षेत्र और मानसून द्रोणिका की स्थिति के साथ-साथ पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव पर निर्भर करेगी।

बंडा जहरीली शराब मामलाः मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 4-4 लाख, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

भोपाल (निप्र)। सागर जिले के बंडा में अवैध शराब पीने से हुई मौतों के बाद सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज, सागर पहुंचे और वहां भर्ती मरीजों का हाल जाना। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। देवड़ा ने डॉक्टरों और अधिकारियों से मरीजों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम 24 घंटे उपलब्ध रहे और दवाओं, उपकरणों समेत जरूरी संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाए।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की संवेदनशील पहल

माता-पिता के निधन के बाद आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही पलक को इलाज के लिए मिली आर्थिक सहायता

नर्मदापुरम (निप्र.)। जरूरतमंदों की सहायता के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार संवेदनशीलता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नर्मदापुरम निवासी पलक केवट, जिनके माता-पिता दोनों का निधन हो चुका है, को उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। पलक अपने भाई एवं बहन के साथ रहती हैं। परिवार में आजीविका का कोई निश्चित साधन नहीं होने के कारण उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उपचार के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से पलक को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई।

नर्मदापुरम में अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई, 8 प्रकरण कायम

नर्मदापुरम(निप्र.)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के आदेशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को वृत्त इटारसी शहर के अंतर्गत नाला मोहल्ला, सूरज गंज, बालाजी मंदिर, मेहरा गांव और गरीबी लाइन क्षेत्र में दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 08 प्रकरण कायम किए गए। मौके से लगभग 550 किलोग्राम महुआ लाहन और 40 लीटर हाथभट्टी मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 63,000 रुपये आंकी गई है।

काजी कैंप में मिसाइल गिरा दोः रामेश्वर की सफाई पर कांग्रेस का पलटवार, बोले- इस्लामाबाद में काजी कैंप कहां है?

भोपाल (ए.)। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में दिए एक बयान को लेकर हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा विवादों में घिर गए हैं। करोंद में रविवार रात आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मंच से कहा कि करोंद चौराहे से मिसाइल चलाकर काजी कैंप में गिरा दो। बयान के तुरंत बाद उन्होंने सफाई दी कि उनका इशारा भोपाल के काजी कैंप की तरफ नहीं, बल्कि इस्लामाबाद के काजी कैंप की ओर था। अब कांग्रेस ने इसी सफाई को लेकर विधायक से लेकर मुख्यमंत्री तक पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कांग्रेस ने सफाई पर ही खड़े किए सवाल

कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एवं मीडिया समन्वयक अब्बास हाफिज ने विधायक के बयान को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सरकार का रुख स्पष्ट करने की मांग की है। हाफिज का कहना है कि विधायक एक धार्मिक कार्यक्रम में भाषण दे रहे थे और इसी दौरान उन्होंने मिसाइल चलाकर काजी कैंप में गिराने की बात कही। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि विधायक का आशय इस्लामाबाद से था तो पाकिस्तान में काजी कैंप नाम की जगह आखिर कहां है?

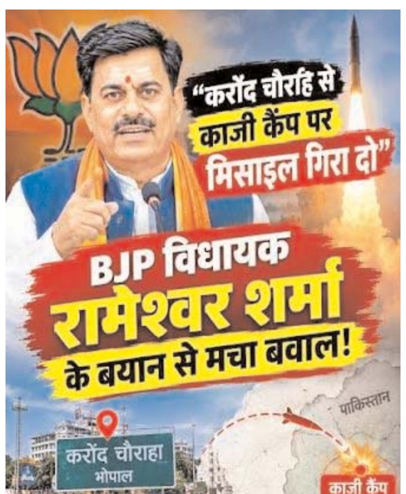

मंच से पाकिस्तान का जिक्र, फिर मिसाइल वाली बात

भगत सिंह चौराहे पर आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम में शर्मा ने हिंदू एकता, राष्ट्रवाद और आतंकवाद के मुद्दे पर भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हिंदू एकता केवल मटकी फोड़ने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि समाज को हर स्तर पर एकजुट होना चाहिए। इसी दौरान पाकिस्तान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब लाहौर, ढाका और इस्लामाबाद में भी मटकी फोड़ प्रतियोगिता होगी। उन्होंने लोगों से इस्लामाबाद में मटकी फोड़ने की बात कही और इसके बाद करोंद चौराहे से मिसाइल चलाकर काजी कैंप में गिराने का जिक्र किया।

बयान के तुरंत बाद विधायक ने दी सफाई

काजी कैंप का नाम लेने के बाद शर्मा ने खुद स्पष्ट किया कि उनका आशय भोपाल के काजी कैंप से नहीं था। उन्होंने कहा कि वे इस्लामाबाद वाले काजी कैंप की बात कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने भारत की सैन्य ताकत और आतंकवाद के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख किया।

ठाणे में डॉक्टरों पर हमले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आरोपी सड़कों पर घूमने के लायक नहीं हैं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मेडिकल प्रोफेशनल्स पर बार-बार होने वाले हमलों की निंदा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि ऐसे लोग सड़कों पर घूमने के लायक नहीं हैं, और चेतावनी दी कि चीजें बद से बदतर होती जा रही हैं और इस बात पर जोर दिया कि समाज में दूसरों को रोकने के लिए एक कड़ा संदेश भेजा जाना चाहिए।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने ये बातें तब कहीं जब शिवसेना के पार्षद रमेश म्हात्रे से उनकी बेल पर रिहाई को चुनौती देने वाली अर्जी पर जवाब मांगा गया. रमेश पर जुलाई में ठाणे के एक हॉस्पिटल में डॉक्टरों पर हमला करने का आरोप है. बेंच ने म्हात्रे को नोटिस जारी किया और राज्य की अर्जी पर तीन हफ्ते में जवाब मांगा. बेंच ने कहा, ये लोग सड़कों पर घूमने के लायक नहीं हैं. हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं. कल पालघर में एक और घटना हुई. उन्हीं लोगों ने फिर से डॉक्टरों पर हमला किया. एक मैसेज जाना चाहिए और यह समाज में दूसरों के लिए एक रोकथाम होनी चाहिए।

हमीदिया में इंटर्न डॉक्टरों पर वाटर कैननः बैरिकेड तोड़कर सड़क पर बैठे, स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग, पुलिस से झड़प

भोपाल (ए.)। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों ने सोमवार को हमीदिया अस्पताल से मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें अस्पताल परिसर में ही रोक दिया। इस दौरान डॉक्टरों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने वाटर कैनन चला दिया। इसकी चपेट में आने से एक इंटर्न डॉक्टर के घायल हो गया। पुलिस की रोक के बावजूद कुछ डॉक्टरों ने हमीदिया अस्पताल का गेट और बैरिकेड तोड़ दिए। इसके बाद वे फतेहगढ़ की मुख्य सड़क पर पहुंचकर धरने पर बैठ गए।

14,337 मिल रहा, 30 हजार की मांग

इंटर्न डॉक्टरों को फिलहाल 14,337 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है। डॉक्टर इसे बढ़ाकर कम से कम 30 हजार रुपए प्रतिमाह करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार की ओर से करीब डेढ़ महीने पहले एक महीने में फैसला लेने का मौखिक आश्वासन दिया गया था। भरोसे में आंदोलन रोक दिया, लेकिन तय समय गुजरने के बाद भी लिखित आदेश जारी नहीं हुआ। डॉक्टरों का कहना है कि अब उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि स्टाइपेंड बढ़ाने का लिखित आदेश चाहिए।

दो गेट बंद, इमरजेंसी के पास भी प्रदर्शन

मार्च को देखते हुए पुलिस ने हमीदिया अस्पताल के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी। अस्पताल के दो गेट बंद कर दिए गए और कई रास्तों पर बैरिकेडिंग कर पुलिस बल तैनात किया गया। इमरजेंसी के पास भी डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। रास्ते बंद होने से मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

यूपी में बढ़ा स्टाइपेंड, एमपी में भी फैसले की मांग

इंटर्न डॉक्टर मोहित मिश्रा ने कहा कि सरकार की ओर से कहा गया था कि उत्तर प्रदेश में स्टाइपेंड बढ़ने पर मध्य प्रदेश में भी बढ़ोतरी की जाएगी। अब उत्तर प्रदेश में स्टाइपेंड 25 हजार रुपए किए जाने का आदेश जारी हो चुका है। ऐसे में मध्य प्रदेश सरकार से भी तत्काल फैसला लेने की मांग की जा रही है। डॉक्टरों के मुताबिक प्रदेश में करीब 2 हजार शासकीय इंटर्न डॉक्टर हैं, जबकि सभी इंटर्न डॉक्टरों को मिलाकर संख्या करीब 3,600 है। उनका दावा है कि दूसरे मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न भी आंदोलन में शामिल हैं।

अब मौखिक आश्वासन नहीं चलेगा

मोहित मिश्रा ने कहा कि वे मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलकर अपनी मांग रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें अस्पताल में ही रोक दिया गया। उनका कहना है कि डॉक्टरों ने पहले संवैधानिक तरीके से मांग रखी और आंदोलन स्थगित कर सरकार के फैसले का इंतजार किया। अब लिखित आदेश नहीं मिलने पर दोबारा आंदोलन करना पड़ा। डॉक्टरों ने स्पष्ट किया है कि जब तक स्टाइपेंड बढ़ाने का लिखित आदेश नहीं मिलता, आंदोलन जारी रहेगा। उनका कहना है कि वे घोषणा नहीं, सरकार का आधिकारिक आदेश चाहते हैं।

भोपाल में 6 दिन से सीलिंग पर ब्रेकः हाईकोर्ट में 100 से ज्यादा मामलों की सुनवाई जारी, व्यापारियों ने बंद टाला

भोपाल (ए.)। राजधानी में सीलिंग कार्रवाई पर लगातार छठे दिन भी ब्रेक लगा रहा। कार्रवाई रुकी होने से व्यापारियों को राहत की उम्मीद बंधी है। इसी बीच होशंगाबाद रोड के व्यापारियों ने सोमवार को प्रस्तावित बंद और रैली का कार्यक्रम रद्द कर दिया। प्रशासन और नगर निगम से बातचीत के बाद व्यापारियों ने कहा कि वे फिलहाल सरकार के फैसले का इंतजार करेंगे। सीलिंग विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई जबलपुर हाईकोर्ट में चल रही है। सोमवार को न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की अदालत में करीब 40 प्रकरणों पर सुनवाई हुई। मामलों की संख्या 100 से अधिक होने के कारण बाकी प्रकरणों पर मंगलवार दोपहर 2:30 बजे से सुनवाई जारी रहेगी। मामले में याचिका कर्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि सुनवाई में अरेरा कॉलोनी सहित शहर के अलग-अलग आवासीय इलाकों में आवासीय भूखंडों पर चल रहे मॉल, शोरूम, शराब दुकान, पब, चाय-सुट्टा बार और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े मामले शामिल हैं। बड़े तालाब और भोज वेटलैंड क्षेत्र में अवैध निर्माण से जुड़े मुद्दे भी अदालत के सामने रखे गए। 5 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद सीलिंग से जुड़े लंबित मामलों के जल्द निराकरण के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में मामलों को एक साथ लेकर सुनवाई शुरू की गई।

सागर में जहरीली शराब कांडः चौका-हिनौती पहुंचे जीतू पटवारी, पीड़ितों से बोले- आपकी आवाज दबने नहीं देंगे

भोपाल (ए.)। जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व विधायक तरवर सिंह लोधी ने आज चौका और हिनौती गांव पहुंचकर मृतकों के परिवारों से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने परिजनों से घटना की जानकारी ली और उनके दर्द को करीब से जाना।अपनों को खो चुके लोधी परिवार समेत दूसरे प्रभावित परिवारों से मुलाकात के दौरान माहौल गमगीन रहा। पटवारी ने कहा कि इन परिवारों को सिर्फ सांत्वना नहीं, बल्कि न्याय, उचित आर्थिक सहायता और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पीड़ित परिवारों की आवाज को दबने नहीं देगी और उनकी लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।

पानी, हवा, दवा के बाद अब शराब में भी जहर

जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही के कारण हालात गंभीर हुए हैं। पटवारी ने कहा कि सरकार ने पानी, हवा और दवा के बाद अब शराब में भी जहर घोल दिया है। उन्होंने आबकारी मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि इतनी गंभीर घटना की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

मौतों का आंकड़ा छिपाने का आरोप

पटवारी ने दावा किया कि जहरीली शराब त्रासदी में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, लेकिन सरकार और प्रशासन वास्तविक आंकड़े सामने नहीं ला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मौतों की संख्या कम बताकर पूरे मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

त्विषा केसः भोपाल एम्स ने जिन चोटों को बताया एंटी-मॉर्टम, दिल्ली एम्स ने परिवहन के दौरान लगी चोट कैसे माना ?

भोपाल (ए.)। राजधानी भोपाल के हाईप्रोफाइल और चर्चित त्विषा शर्मा संदिग्ध मौत मामले में देश के दो शीर्ष चिकित्सा संस्थानों एम्स भोपाल और एम्स दिल्ली की मेडिकल रिपोर्टों में सामने आए गंभीर विरोधाभास ने जांच की पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतका के परिजनों के अधिवक्ता अंकुर पांडे ने दोनों रिपोर्टों में चोटों की प्रकृति और उनके लगने के समय को लेकर सामने आई अलग-अलग राय पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कई यक्ष प्रश्न उठाए हैं। वकील का कहना है कि सीबीआई के अंतिम निष्कर्ष पूरी तरह से एम्स दिल्ली की रिपोर्ट पर निर्भर हैं और इसी आधार पर अदालत में सुनवाई भी आगे बढ़ रही है, जबकि एम्स भोपाल के शुरुआती और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक निष्कर्षों को दरकिनार करने का कोई स्पष्ट चिकित्सीय आधार पेश नहीं किया गया है।

मेडिकल बोर्ड्स के दावों में बड़ा अंतर

परिजनों के अधिवक्ता पांडे के अनुसार, मामले में दोनों ही रिपोर्टों ने मौत की मुख्य वजह फांसी से हुआ एस्फिक्सिया (दम घुटना) माना है, लेकिन शरीर पर मिली चोटों को लेकर दोनों संस्थानों की राय बिल्कुल जुदा है। पांडेय के अनुसार, एम्स भोपाल के मेडिकल बोर्ड ने शरीर, विशेषकर बाएं हाथ, कलाई और उंगलियों पर मिली चोटों को एंटी-मॉर्टम (मृत्यु से पूर्व की) करार दिया था। बोर्ड ने स्पष्ट किया था कि कलाई और उंगलियों की ताजा चोटें मौत से ठीक पहले किसी संघर्ष या हाथापाई का परिणाम हो सकती हैं। साथ ही, भोपाल एम्स ने शव को फंदे से उतारने, नीचे गिराने या परिवहन (ट्रांसपोर्ट) के दौरान ये चोटें लगने की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया था।

दिल्ली एम्स की रिपोर्ट बिल्कुल अलग

पांडेय के अनुसार, भोपाल एम्स की रिपोर्ट के ठीक विपरीत, एम्स दिल्ली के मेडिकल बोर्ड ने अपनी राय में इन सभी चोटों को इंसीडेंटल ट्रांसपोर्टेशन इंज्यूरी (शव ले जाने के दौरान लगी चोटें) माना। दिल्ली बोर्ड ने किसी भी तरह की हाथापाई, हमले या संघर्ष के संकेतों को सिरे से नकार दिया। पांडेय ने आरोप लगाया है कि सीबीआई ने अपनी जांच के अंतिम निष्कर्ष तैयार करते समय केवल एम्स दिल्ली की राय को आधार बनाया है, जिसे अदालत भी विचार में ले रही है।

त्विषा के परिजनों के अधिवक्ता ने इन बिंदुओं को लेकर उठाए सवाल

अधिवक्ता पांडेय ने कहा कि यदि एम्स भोपाल ने प्राथमिक जांच में चोटों को मृत्यु से पूर्व का (एंटी-मॉर्टम) बताया था, तो दिल्ली एम्स ने किस मेडिकल या फॉरेंसिक आधार पर उन्हें मृत्यु के बाद की परिवहन चोट मान लिया? यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि एम्स दिल्ली के बोर्ड ने शव का प्रत्यक्ष परीक्षण किया था या केवल पुरानी तस्वीरों और दस्तावेजों को देखकर अपनी राय कायम कर ली। दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों की रिपोर्टों में से एक को स्वीकार करने और दूसरे को खारिज करने का ठोस वैज्ञानिक कारण सामने आना चाहिए, ताकि न्याय प्रक्रिया निष्पक्ष रह सके।

माफियाओं के विरुद्ध होगी सख्त कारवाई, दोषियों को मिलेगी कड़ी से कड़ी सजा : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

अवैध शराब प्रकरण के मृतकों एवं प्रभावितों के परिजनों से मिले, बंधाया ढांढस

भोपाल (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बंडा क्षेत्र में अवैध शराब हादसे से प्रभावित गांवों का सघन दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि दुख की इस कठिन घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बंडा, शाहगढ़ तहसील के ग्राम बमूरा भेड़ा, नौराज, गूगरा खुर्द, धुरमार, चौका, हनौती एवं पापेट पहुंचकर पीड़ित तथा मृतक परिवारों के सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से भेंट की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हृदय विदारक घटना है और प्रभावित परिवार कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने परिजन को सांत्वना देते हुए स्पष्ट किया कि शासन की ओर से नियमानुसार सभी प्रभावित परिवारों को हरसंभव राहत उपलब्ध कराई जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में लिप्त शराब माफियाओं और इसमें शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। परिजन द्वारा की गई मांग पर उन्होंने जानकारी दी कि पुलिस एवं प्रशासन द्वारा अब तक 10 से अधिक आरोपियों को हिरासत में लिया जा चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और वितरण के मुख्य स्रोत तक पहुंचकर जड़ों को पूरी तरह समाप्त किया जाए, जिससे दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

नशामुक्त समाज के लिए ग्रामीणों से की अपील

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भ्रमण के दौरान ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए गांवों को पूर्णतः नशामुक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की लत न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को तबाह कर देती है। इसलिए सभी नागरिक अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए नशे की लत से दूर रहें।

यात्री परिवहन विजन समिट में जुटेंगे विशेषज्ञ, बस ऑपरेटर और उद्योग जगत के प्रतिनिधि

सुरक्षित, स्मार्ट और प्रदूषण रहित परिवहन व्यवस्था को लेकर होगा मंथन, 10 सितंबर दोपहर 12 बजे तक करा सकेंगे पंजीयन

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश के नागरिकों को सुगम, सुरक्षित, स्मार्ट और प्रदूषण रहित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यात्री परिवहन विजन समिट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर केंद्रित इस दो दिवसीय समिट में निजी बस ऑपरेटर, नीति निर्माता, परिवहन विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिट में प्रदेश की मौजूदा यात्री परिवहन व्यवस्था को और बेहतर, आधुनिक एवं प्रभावी बनाने को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। यह समिट 11 एवं 12 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगी। इसमें परिवहन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, बस ऑपरेटर और उद्योग जगत के प्रतिनिधि अपने अनुभव एवं सुझाव साझा करेंगे।

कैंसिल ट्रेन चलाई, दो बार टिकट लेना पड़ा

रेलवे ने रु 2,110 काटे; उपभोक्ता आयोग बोला-यात्री की गलती नहीं, ब्याज समेत लौटाने होंगे

भोपाल (निप्र)। रेलवे से ट्रेन कैंसिल होने का मैसेज मिलने पर यात्री ने दूसरी ट्रेन में टिकट करा ली और बाद में पहली ट्रेन फिर से चला दी गई, तो इसका नुकसान यात्री को नहीं उठाना पड़ेगा। भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने ऐसे ही एक मामले में रेलवे की रिफंड प्रक्रिया को अनुचित माना है। आयोग ने कहा कि यात्री ने रेलवे के कैंसिलेशन मैसेज के आधार पर वैकल्पिक टिकट कराया था, इसलिए बाद में ट्रेन रीस्टोर होने का हवाला देकर टिकट राशि में कटौती नहीं की जा सकती।

6 अगस्त 2026 को दिए फैसले में आयोग ने रेलवे और IRCTC को यात्री की बाकी राशि 2,110 रुपए 7% ब्याज के साथ लौटाने के आदेश दिए। इसके अलावा 15 हजार रुपए क्षतिपूर्ति और 5 हजार रुपए वाद-व्यय भी देने को कहा है।

परिवार के साथ आगरा गए थे, वापसी का कन्फर्म टिकट था

यात्री भवानी शंकर उर्फ बीएस ठाकुर परिवार के साथ आगरा गए थे। भोपाल लौटने के लिए उन्होंने 24 सितंबर 2023 की निजामुद्दीन-रानी कमलापति शान-ए-भोपाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस में कन्फर्म टिकट कराया था। टिकट की कुल राशि 4,160 रुपए थी।यात्रा से पहले 9 सितंबर को रेलवे की ओर से उन्हें मैसेज मिला कि ट्रेन कैंसिल कर दी गई है। परिवार के साथ वापस आना था, इसलिए उन्होंने इंतजार नहीं किया। अगले ही दिन यानी 10 सितंबर को परिवार के सदस्यों के लिए केरला एक्सप्रेस में नई टिकट करा ली।

बाद में ट्रेन रीस्टोर हुई, रेलवे ने जानकारी नहीं दी

मामले में सामने आया कि 11 सितंबर 2023 को रेलवे ने पहली ट्रेन के दोबारा संचालन की जानकारी दी। हालांकि, यात्री के अधिवक्ता ललित कुमार गुप्ता के मुताबिक कैंसिलेशन की जानकारी तो यात्री को मिली थी, लेकिन ट्रेन रीस्टोर होने की सूचना उसके पास नहीं पहुंची।इस बीच यात्री दूसरी ट्रेन की टिकट करा चुका था। उसके पास पहली ट्रेन के कैंसिलेशन का मैसेज था और उसी आधार पर उसने वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था की थी। रिफंड नहीं मिलने पर उसने DRM ऑफिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की। काफी समय बाद 4,160 रुपए में से केवल 2,050 रुपए वापस किए गए। यानी 2,110 रुपए काट लिए गए।

भोपाल की सड़कों पर सियासत गरमः अरुण यादव बोले-सड़कें कम, मौत के गड्ढे ज्यादा,फूल चढ़ाकर लोगों ने किया प्रदर्शन

भोपाल (ए.)। राजधानी की जर्जर सड़कों और गड्ढों को लेकर अब सियासत भी तेज हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण यादव ने भोपाल की सड़कों की बदहाली को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राजधानी की सड़कें अब सड़क कम और मौत के गड्ढे ज्यादा बन चुकी हैं। अरुण यादव ने कहा कि जब प्रदेश की राजधानी में ही सड़कें जानलेवा स्थिति में पहुंच गई हैं, तो मध्यप्रदेश के बाकी शहरों और कस्बों की सड़कों का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने सरकार के विकास के दावों पर तंज कसते हुए कहा कि यह 'ट्रिपल इंजन विकास' का मॉडल नहीं, बल्कि सरकार की नाकामी का आईना है।

सड़क की हालत पर अनोखा विरोध, फूल चढ़ाए और अगरबत्ती जलाई

भोपाल में खराब सड़कों से परेशान लोगों का गुस्सा अब विरोध के नए रूप में सामने आ रहा है। इनकम टैक्स कार्यालय के सामने बड़े-बड़े गड्ढों के पास स्थानीय लोगों ने सड़क को फूल-माला चढ़ाई, अगरबत्ती जलाई और मंत्रोच्चार के साथ सड़क को श्रद्धांजलि दी। लोगों का कहना है कि सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि अब इसकी मरम्मत की उम्मीद छोड़कर श्रद्धांजलि देना ही बाकी रह गया है। प्रदर्शनकारियों ने जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से सवाल किया कि आखिर कब तक लोगों को जान जोखिम में डालकर इन सड़कों से गुजरना पड़ेगा।

गढढों के कारण सड़क पर वाहन चलाना मुश्किल

विरोध कर रहे उमाशंकर तिवारी द्वारा बताया कि राजधानी भोपाल में अधिकांश सड़कों में गड्ढे हो चुके हैं पूरे शहर में गढढों के कारण सड़क पर वाहन चलाना मुश्किल हो गया है।

एमपी ट्रांसको ने 351 नए कार्मिकों को दी नियुक्ति : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (निप्र)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार ऊर्जा विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा विभिन्न श्रेणियों के पदों पर चयन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रथम चरण में अब तक कुल 351 नए कार्मिकों को नियुक्तियां दी गई है। इनमें द्वितीय श्रेणी के 55 अधिकारी, तृतीय श्रेणी के 173 कर्मचारी तथा चतुर्थ श्रेणी के 123 कर्मचारी शामिल हैं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समर्पण, दक्षता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन के जुड़ने से प्रदेश की ट्रांसमिशन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री कुंवर विजय शाह ने आज लोकभवन में सौजन्य भेंट की।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भारत के माल परिवहन तंत्र को दे रहे नई गति

जबलपुर (आरएनएस)। भारत के माल परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स तंत्र में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) के परिचालन से व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL) द्वारा विकसित यह नेटवर्क देश के प्रमुख औद्योगिक, विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक्स केंद्रों को उच्च क्षमता, तेज, विश्वसनीय और अधिक ऊर्जा-कुशल रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है। DFC केवल अतिरिक्त रेल क्षमता उपलब्ध कराने वाली परियोजना नहीं है, बल्कि यह माल परिवहन की गति, क्षमता, विश्वसनीयता और उत्पादकता को बढ़ाने वाला राष्ट्रीय अवसंरचना तंत्र बन चुका है। रेल नेटवर्क के लगभग 4 प्रतिशत हिस्से पर 14 प्रतिशत से अधिक रेलवे माल परिवहन संभालने की क्षमता DFC की उच्च उत्पादकता एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग को दर्शाती है।

2,843 किलोमीटर का उच्च क्षमता वाला डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर नेटवर्क

DFC नेटवर्क में 1,337 किलोमीटर लंबा ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC), जो पंजाब के न्यू साहनेवाल से बिहार के न्यू सोननगर तक तथा 1,506 किलोमीटर लंबा वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC), जो उत्तर प्रदेश के न्यू दादरी से महाराष्ट्र के न्यू जेएनपीटी तक जुड़ा है, शामिल है। दोनों कॉरिडोर मिलकर लगभग 2,843 किलोमीटर लंबा उच्च क्षमता वाला माल रेल नेटवर्क बनाते हैं, जो देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों, उत्पादन केंद्रों, उपभोग बाजारों तथा बंदरगाहों के बीच माल परिवहन को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जेएनपीटी तक पूर्ण परिचालन

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि 31 मार्च 2026 को हासिल हुई, जब लगभग 102 किलोमीटर लंबे वैतरणा-जेएनपीटी सेक्शन का कार्य पूर्ण हुआ। इसके साथ ही संपूर्ण वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परिचालन में आ गया। WDFC के इस महत्वपूर्ण सेक्शन के पूर्ण होने से मालगाड़ियों का जेएनपीटी तक निर्बाध संचालन संभव हुआ है। विशेष रूप से डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेनों के संचालन से एक ही ट्रेन में अधिक मात्रा में कंटेनरीकृत माल परिवहन किया जा सकता है, जिससे रेल माल परिवहन की क्षमता एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है।जेएनपीटी तक WDFC के पूर्ण परिचालन से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित देश के प्रमुख उत्पादन एवं उपभोग केंद्रों का पश्चिमी तट के महत्वपूर्ण समुद्री कंटेनर गेटवे से रेल संपर्क और मजबूत हुआ है। इससे बंदरगाहों और देश के आंतरिक क्षेत्रों के बीच माल की आवाजाही अधिक सुव्यवस्थित एवं विश्वसनीय बनाने में सहायता मिलेगी।

DFC नेटवर्क बड़े पैमाने पर कर रहा माल परिवहन

DFC नेटवर्क के बढ़ते उपयोग का प्रमाण इसके परिचालन आंकड़ों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। 31 अगस्त 2026 तक DFCCIL द्वारा लगभग 5.21 लाख मालगाड़ी ट्रिप संचालित की जा चुकी हैं। नेटवर्क पर प्रतिदिन औसतन लगभग 435 मालगाड़ियां संचालित हो रही हैं।इन मालगाड़ी परिचालनों से लगभग 658 बिलियन ग्रॉस टन किलोमीटर (GTKM) का फ्रेट प्रदर्शन दर्ज किया गया है, जबकि दैनिक औसत लगभग 592 मिलियन GTKM रहा। इसी प्रकार, लगभग 360 बिलियन नेट टन किलोमीटर (NTKM) का माल परिवहन प्रदर्शन दर्ज किया गया है।

दिल्ली पीजी हादसे में एमपी के छात्र की मौत : कटनी से पढ़ने गया था अक्षत, इमारत हादसे ने छीन ली जिंदगी; कोहराम

कटनी (ए.)। दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस स्थित सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक इमारत हादसे ने कटनी के एक परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे में कटनी की दुबे कॉलोनी निवासी 19 वर्षीय अक्षत यादव की मौत हो गई। अक्षत दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था और बेहतर भविष्य का सपना लेकर राजधानी में रह रहा था। रविवार को करीब 40 साल पुरानी इमारत अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में अक्षत भी आ गया। हादसे के बाद राहत और बचाव दल ने घंटों रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर अक्षत को मलबे से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शव की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

अनूपपुर में रात के अंधेरे में 200 टन कोयले का खेल! पुलिस ने 5 टेलर पकड़े; दो की टीपी भी एक्सपायर

अनूपपुर (ए.)। अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा

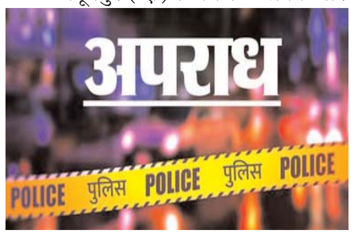

रहे अभियान के तहत बिजुरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अनधिकृत रूट से कोयला परिवहन करते हुए पांच टेलर वाहनों को करीब 200 टन कोयले के साथ जब्त किया है। जांच में दो वाहनों की परिवहन पर्ची (टीपी) की समयसीमा भी समाप्त मिली।

पुलिस के अनुसार, रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ वाहन अनधिकृत मार्ग से कोयला परिवहन कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने रात करीब 1:30 बजे खेडिया क्रेशर के पास बेलियाछोट की ओर से आ रहे पांच टेलरों को रोका। जांच के दौरान सभी वाहनों में करीब 40-40 टन कोयला लोड मिला। दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि वाहनों के लिए निर्धारित रूट डोला होकर बिजुरी साइडिंग तक जाना था, लेकिन सभी वाहन बेलियाछोट से बिजुरी के अनधिकृत मार्ग से कोयला परिवहन करते पाए गए। इनमें दो वाहनों की टीपी की समयसीमा भी समाप्त हो चुकी थी। पुलिस ने टेलर क्रमांक एमपी18जेडसी8029, सीजी04पीसी1952, सीजी10सीए0657, सीजी04आरबी5214 और सीजी10बीआर9633 को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया है। वाहनों के चालक शेख रमजान, अमर सिंह गोंड, राजेंद्र रैदास, प्रदीप कुमार सिंह और हीरा सिंह के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

बिना हेलमेट दफ्तर पहुंचे कर्मचारी, कलेक्टर ने वापस लौटाया

इंदौर (ए.)। इंदौर में यातायात नियमों के पालन को लेकर प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों और आम आगंतुकों के लिए एक सख्त गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अब कलेक्टर कार्यालय में आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है। इन नियमों की अनदेखी करने वालों को परिसर में दाखिल नहीं होने दिया जाएगा।

सुरक्षा कर्मियों को सौंपी गई जांच की कमान

प्रशासन ने इस व्यवस्था को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए परिसर के सभी प्रवेश द्वारों पर मुस्तैदी बढ़ा दी है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशों के अनुसार दोपहिया वाहन से आने वाले सभी लोगों को हेलमेट लगाना होगा, वहीं चार पहिया वाहनों में सवार अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सीट बेल्ट अनिवार्य की गई है। मुख्य द्वारों पर तैनात सुरक्षा कर्मचारियों को स्पष्ट कहा गया है कि वे नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को अंदर प्रवेश न करने दें।

उज्जैन में खड़े हनुमान को हटाने की कोशिश नाकामः भारी मशीनें भी नहीं हिला सकीं प्रतिमा, स्कैनिंग रिपोर्ट पर नजर

उज्जैन(आरएनएस)। कंठाल चौराहा से छत्री चौक तक जारी सड़क चौड़ीकरण की जद में आए अति प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर को हटाना नगर निगम और जिला प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। बीते चार दिनों में प्रतिमा को हटाने के लिए चार बार प्रयास किए गए, लेकिन प्रतिमा अपने स्थान से टस से मस नहीं हुई। मंदिर भवन के गर्भगृह और मुख्य ढांचे को तोड़ा जा चुका है। फिलहाल प्रतिमा को कैनोपी टेंट लगाकर सुरक्षित रखा गया है। मंदिर के बाहर स्थानीय श्रद्धालुओं ने चेतावनी भरा पोस्टर भी लगाया है। इसमें लिखा है कि प्रतिमा हटाने के दौरान यदि किसी भी तरह से प्रतिमा खंडित होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

वानरों की फौज पहुंची, वीडियो वायरल

कार्रवाई के बीच रविवार शाम मंदिर परिसर और आसपास के मकानों की छतों पर अचानक 50 से अधिक वानर पहुंच गए। कई घंटों तक एक साथ वानरों का वहां डटे रहना और शांत बैठना लोगों के बीच कौतूहल और धार्मिक चर्चा का विषय बन गया।

भस्म आरती : अजा एकादशी पर भांग से सजे बाबा महाकाल, चांदी के मुकुट और मुंड माला से भव्य शृंगार

उज्जैन, (आरएनएस)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की एकादशी (अजा एकादशी) तिथि, सोमवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोमवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य शृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए, पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा।

महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद, और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। बाबा महाकाल की पूजा के दौरान प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा ने मुकुट धारण किया। इसके बाद झांझ-मंजीरे, ढोल-नगाड़े, और शंखनाद के साथ भस्म आरती की गई। बाबा महाकाल को भांग से सजाया गया और चांदी के मुकुट और मुंड माला से भव्य शृंगार किया गया।

महाकाल मंदिर के पुजारी ने महाआरती संपन्न कराई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। अपने आराध्य देव के दर्शन पाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु बीती रात से ही कतारबद्ध थे। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना अनिवार्य होता है।

व्यापार समाचार

टाटा टेक्नोलॉजीज के पूर्व सीईओ ने करीब 165 करोड़ रुपए के शेयर बेचे

नई दिल्ली (ए.),। टाटा टेक्नोलॉजीज के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) पैट्रिक रेमन मैकगोल्ड्रिक ने बीएसई पर ब्लॉक डील के जरिए करीब 165 करोड़ रुपए के शेयर बेचकर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है।

मैकगोल्ड्रिक ने शुक्रवार को चार चरणों में 21 लाख शेयर बेचे, जो टाटा समूह की इस कंपनी में 0.51 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इन शेयरों को औसतन 785 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर बेचा गया, जिससे इस लेनदेन का कुल मूल्य 164.85 करोड़ रुपए रहा। इसके बाद टाटा टेक्नोलॉजीज में मैकगोल्ड्रिक की हिस्सेदारी 1.13 प्रतिशत से घटकर 0.62 प्रतिशत रह गई।

जानकारी के मुताबिक, इन शेयरों को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड, 360 वन एसेट मैनेजमेंट और कार्नेलियन एसेट मैनेजमेंट एंड एडवाइजर्स सहित संस्थागत निवेशकों ने खरीदा। मैकगोल्ड्रिक ने कंपनी के साथ करीब दो दशक के जुड़ाव के बाद सितंबर 2014 में टाटा टेक्नोलॉजीज के सीईओ और एमडी के पद से सेवानिवृत्ति ली थी।

टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 799.85 रुपए पर बंद हुए। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 890.15 रुपए और 52-सप्ताह का निचला स्तर 507.50 रुपए है। पिछले दो वर्षों में शेयर में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। इसके अलावा, पुणे मुख्यालय वाली कंपनी ने मार्च तिमाही में 204.17 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि परिचालन से राजस्व 1,572.22 करोड़ रुपए रहा।

हालांकि, वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ घटकर 546.59 करोड़ रुपए रह गया, जो वित्त वर्ष 2025 में 676.95 करोड़ रुपए था। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में तिमाही-दर-तिमाही 11.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 181 करोड़ रुपए रहा, जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में यह 204 करोड़ रुपए था।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 बिलियन डॉलर बढ़कर ऑल-टाइम हाई 740.803 बिलियन डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली (ए.),। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त हुए सप्ताह में 11.475 बिलियन डॉलर बढ़कर अब तक के सबसे उच्चतम स्तर (ऑल-टाइम हाई) 740.803 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में दी गई।

इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का ऑल-टाइम हाई 729.328 बिलियन डॉलर था, जो कि 21 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में दर्ज किया गया था।

आरबीआई के डेटा के मुताबिक, 28 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू 9.337 बिलियन डॉलर बढ़कर 600.670 बिलियन डॉलर हो गई है। एफसीए में डॉलर के साथ दुनिया की कई अहम वैश्विक मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड होती हैं, जिनकी वैल्यू को डॉलर में दिखाया जाता है।

इस दौरान, विदेशी मुद्रा भंडार के दूसरे सबसे बड़े घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 2.191 बिलियन डॉलर बढ़कर 116.409 बिलियन डॉलर हो गई है। आरबीआई के अनुसार, 28 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में एसडीआर की वैल्यू 43 मिलियन डॉलर घटकर 18.810 बिलियन डॉलर रही है। वहीं, भारत की आरबीआई में रिजर्व पॉजिशन 11 मिलियन डॉलर घटकर 4.914 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई है।

वैश्विक स्तर पर कमजोर संकेतों से सोना फिसला, चांदी 2.38 लाख के नीचे

मुंबई (ए.)। वैश्विक स्तर पर कमजोर संकेतों से सोने और चांदी सोमवार को गिरावट के साथ खुले। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 0.3 प्रतिशत कम हो गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 को पिछली क्लोजिंग 1,52,767 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,52,279 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 10 बजे यह 409 रुपए या 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,52,358 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,225 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,52,483 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। यह दिखाता है कि सोने में हल्की गिरावट के साथ एक सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है।

चांदी का 4 दिसंबर 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,37,658 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,37,176 रुपए प्रति किलो पर खुला।

खबर लिखे जाने तक यह 673 रुपए या 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,36,985 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,36,423 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,37,658 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में कमजोरी देखी जा रही है। सोना 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,450 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 66 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट की वजह अमेरिका में मजबूत जॉब डेटा आना है, जिसने अगली फेड बैठक में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना को बढ़ा दिया है, जो दोनों कीमती धातुओं के लिए नकारात्मक है।

उन्होंने आगे कहा कि दूसरी तरफ डॉलर इंडेक्स में मजबूती आने से भी सोने और चांदी पर दबाव बढ़ा है। फिलहाल डॉलर इंडेक्स 99 के आसपास कारोबार कर रहा है।

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 440 लॉन्च, दमदार इंजन और 21 इंच का फ्रंट व्हील

नई दिल्ली (ए.)। रॉयल एनफील्ड ने अपनी नई एडवेंचर मोटरसाइकिल हिमालयन 440 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे लद्दाख में आयोजित हिमालयन बेसकैंप कार्यक्रम के दौरान पेश किया। नई मोटरसाइकिल की कीमत 2.29 लाख रुपये एक्स-शोरूम, चेन्नई रखी गई है। हिमालयन 440 को पुराने हिमालयन 411 के मुकाबले अधिक शक्तिशाली इंजन, नए उपकरणों और ऑफ-रोडिंग के अनुकूल बदलावों के साथ उतारा गया है। नई हिमालयन 440 में स्क्रैम 440 वाला इंजन और गियरबॉक्स इस्तेमाल किया गया है, लेकिन इसके व्हील, सस्पेंशन और रंग विकल्प इसे स्क्रैम से अलग बनाते हैं। कंपनी ने इस बाइक की बुकिंग देशभर के अपने शोरूम और आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से शुरू कर दी है।

केंद्र सरकार की कॉर्पोरेट मित्र पहल शुरू, एमएसएमई को मिलेगी किफायती प्रोफेशनल सहायता

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए अनुपालन (कंप्लायंस) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कॉर्पोरेट मित्र पहल शुरू की है। इस पहल का मकसद अनुपालन को डरावना नहीं, बल्कि आसान और ज्ञान को सुलभ बनाना है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की संयुक्त सचिव अनीता शाह अकेला ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अनुपालन को एक बोझ से बदलकर विश्वास, पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यवस्थित विकास का माध्यम बनाना है।

सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में कॉर्पोरेट मित्र पहल की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य प्रशिक्षित और प्रमाणित पैरा-प्रोफेशनल्स का एक पूल तैयार करना है जो एमएसएमई को बिजनेस और रेगुलेटरी अनुपालन में मदद कर सकें।

यह प्रोग्राम आईसीएआई, आईसीएसआई और आईसीओएआई की प्रोफेशनल विशेषज्ञता को आईआईटी मद्रास, आईआईटी मद्रास प्रवर्तक औरस्वयं प्लस के तकनीकी और अकादमिक सहयोग के साथ जोड़ता है।

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीओएआई) ने कॉर्पोरेट मित्र कोर्स शुरू कर दिया है, जिसके पहले बैच में 2,879 शिक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला, आईटी में बिकवाली

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई। इस दौरान सुबह 9ः18 पर सेंसेक्स 113 अंक या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,410 और निफ्टी 42 अंक या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,861 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार में बिकवाली का नेतृत्व मीडिया और आईटी स्टॉक्स कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी टॉप लूजर्स थे। निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी एमएमसीजी, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी लाल निशान में थे।

सूचकांकों में केवल निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी फार्मा हरे निशान में थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 146 अंक या 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,932 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 19 अंक या 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,078 पर था।

सेंसेक्स पैक में इटरनल, बीईएल, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, ट्रेंट, सन फार्मा और टाइटन गेनर्स थे। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, इंडिगो, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड, एचयूएल, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और एचडीएफसी बैंक लूजर्स थे।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, बैंकॉक, ताइपे, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। वहीं, शंघाई और हांगकांग लाल निशान में थे। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को लाल निशान में बंद हुआ था, जिसमें मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और टेक्नोलॉजी इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

जानकारों के मुताबिक, बाजारों में गिरावट की वजह अमेरिका के जॉब डेटा को माना जा रहा है, जो कि उम्मीद से करीब 3 गुना अधिक आया है। इससे फेड की ओर से ब्याज दरों बढ़ोतरी की उम्मीद बढ़ गई है।

होंडा एलिवेट फेसलिफ्ट जल्द हो सकती है लान्च, फीचर्स और डिटेज जानिए

नई दिल्ली (ए.)। बाजार में मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में कई निर्माताओं की ओर से वाहनों की बिक्री की जाती है। होंडा की ओर से भी भारतीय बाजार में इस सेगमेंट में Honda Elevate को ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एसयूवी के Facelift को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। इसमें किस तरह के बदलाव किए जा सकते हैं। कब तक इसे लॉन्च किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होंडा की ओर से ऑफर की जाने वाली एलीवेट के फेसलिफ्ट को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। अभी निर्माता की ओर से औपचारिक तौर पर इसकी जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन इसे जल्द लॉन्च किया जा सकता है।

क्या होगा बदलावः

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एसयूवी में कई बदलाव किए जा सकते हैं। इसमें नई फ्रंट ग्रिल, अलॉय व्हील्स, बंपर, लाइट्स में बदलाव हो सकता है। वहीं इंटीरियर में भी इस एसयूवी को अपडेट किया जा सकता है। साथ ही कुछ नए फीचर्स को दिया जा सकता है। इसमें 10.25 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, नया इंटीरियर, 360 डिग्री कैमरा, वेंटिलेटिड सीट्स जैसे फीचर्स को भी शामिल किया जा सकता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

समझौते कृषक हितों के खिलाफ

कहना कठिन है कि किसानों का संघर्ष कितना प्रभावी होगा। लेकिन यह साफ है कि किसान- मजदूर वर्गों में वर्तमान आर्थिक नीतियों के खिलाफ लामबंद होने की जरूरत का अहसास लगातार गहरा रहा है।

किसान संगठन फिर आंदोलन की राह पर हैं। गुजरे दस अगस्त को उन्होंने 'जेल भरो' मुहिम चलाई। अब वे सांसद और विधायकों सहित सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपना मांग-पत्र सौंप रहे हैं। उनकी मांगों और घोषित रणनीति पर गौर करें, तो संकेत मिलता है कि अकेले लड़ाई लड़ने की अपर्याप्तता का उन्हें अहसास हुआ है। इसलिए उन्होंने अपने संघर्ष में खेतिहर और शहरी मजदूरों को शामिल करने के साथ-साथ अपने मांग-पत्र में संघीय व्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था की आम दिशा से जुड़े मुद्दों को भी शामिल किया है। उनका आरोप है कि केंद्र 'कॉरपोरेट केंद्रित' नीतियों को आगे बढ़ा रहा, जिसकी मार किसान, मजदूर एवं आम मध्यम वर्ग पर पड़ी है। इसलिए अपने को कृषि क्षेत्र तक सीमित रखने के बजाय संयुक्त किसान मोर्चा ने अपने मांग-पत्र को आजीविका, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के बड़े दायरे से जोड़ा है। उनकी एक प्रमुख मांग है कि कर राजस्व का राज्यों को दिए जाने वाले हिस्से की मात्रा 31 से बढ़ा कर 50 फीसदी की जाए। मोर्चा का तर्क है कि कृषि संकट हल करने, कृषि आधारित औद्योगीकरण और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए राज्यों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता मिलना अनिवार्य है। मांग पत्र में भारत- अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के लिए जारी वार्ता पर विरोध जताया गया है। साथ ही हाल में हुए तमाम मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करने की मांग की गई है।

किसान संगठनों का दावा है कि ये सारे समझौते कृषक हितों के खिलाफ हैं। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य, व्यापक कृषि कर्ज माफी, 200 दिन काम की गारंटी और 700 रुपये प्रति दिन मजदूरी के प्रावधान के साथ मनरेगा की बहाली, चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, भूमि अधिकारों के संरक्षण, और बिजली निजीकरण एवं बीज विधेयकों की वापसी की मांग भी दोहराई गई है। फिलहाल, कहना कठिन है कि इस बार अधिक बड़ा मोर्चा बनाकर किसानों ने संघर्ष का जो एलान किया है, वह असल में कितना प्रभावी होगा। लेकिन यह जरूर है कि किसान- मजदूर वर्गों में आर्थिक नीतियों की वर्तमान दिशा के खिलाफ लामबंद होने की जरूरत का अहसास लगातार गहराता जा रहा है।

भाजपा अपने फैसले स्वयं संभालने में पूरी तरह सक्षम

हरिशंकर व्यास

सन् 1980 में अटलबिहारी वाजपेयी के सुर में जनसंघ का जब भाजपा नाम से जन्म हुआ तब संघ के प्रमुख थे बालासाहब देवरस। फिर प्रो. राजेंद्रसिंह, सुदर्शन बने। तब भाउराव देवरस भाजपा के साथ संघ के समन्वयक थे। (जैसे इन दिनों अरूणकुमार है) कर्नाटक के एक एच. वी. शेषाद्रि, दत्तोपंत ठेंगड़ी, मोरोपंत पिंगले, यादवराव जोशी, एकनाथ रानाडे जैसे वे प्रचारक भी थे जो वैचारिक तौर पर चाहे जितने ठस हो लेकिन चाल, चेहरे, चरित्र में बेदाग थे। इंदिरा गांधी से ले कर राजीव गांधी, नरसिंहराव, वीपीसिंह आदि कईयों से इन प्रचारकों की मुलाकात हुई थी। ये भरोसा पैदा करते थे, कतृज्ञ हुआ करते थे, आज की तरह अहसानफरामोश नहीं। वाजपेयी और ठेंगडी में परस्पर असहमतिया थी बावजूद इसके बतौर प्रधानमंत्री वाजपेयी के समय में मैंने कभी यह नहीं सुना कि वाजपेयी ने सुदर्शन या संघ को हैसियत बताने की जैसी बात की हो, अनदेखी की हो।

सवाल है क्या होता है हैसियत बताना? याद करें, मई 2024 में तत्कालीन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा का नरेंद्र मोदी-अमित शाह की सोच को यह कहते हुए व्यक्त करना कि- शुरुआत में हम कम सक्षम थे, छोटे थे और हमें आरएसएस की जरूरत पड़ती थी। आज भाजपा बड़ी हो चुकी है और सक्षम है। भाजपा खुद अपना काम चलाती है। यही अंतर है। इतना ही नहीं मोदी-शाह की महिमा का बखान करते हुए कहा -अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के समय भाजपा का काडर छोटा था और उसे संघ के सहयोग पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब भाजपा खुद इतनी बड़ी सांगठनिक शक्ति बन चुकी है कि वह अपने फैसले और काम स्वयं संभालने में पूरी तरह सक्षम है।

रास्ते अब मंजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

अब मंजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे। सड़कें किसी देश की केवल राहें नहीं, उसके विकास की दिशा भी बताती हैं। भारत में ये अब शहरों और बाजारों को जोड़ने वाले रास्ते भर नहीं रहीं, बल्कि बदलती विकास-दृष्टि की पहचान बन रही हैं। एनएचएआई की 'आरोग्य वन' पहल के तहत राजमार्गों के दोनों ओर नीम, आंवला, जामुन, इमली जैसी औषधीय वृक्ष प्रजातियाँ (और उपयुक्त स्थानों पर तुलसी, अश्वगंधा जैसी वनस्पतियाँ) कतारों में दिखें, तो यह केवल सड़क-सौंदर्य नहीं होगा। यह उस समझ का संकेत होगा कि तेज रफ्तार विकास को भी अंततः हवा, पानी और हरियाली की जरूरत है। सड़क किनारे खड़ा एक छोटा पौधा इसलिए मामूली नहीं—वह उस सोच का प्रतीक है, जिसमें विकास प्रकृति को पीछे छोड़कर नहीं, साथ लेकर आगे बढ़ना चाहता है। इसे सिर्फ हरियाली की सरकारी कवायद मानना, इसके भीतर छिपे बड़े अर्थ को अनदेखा करना होगा। सड़क किनारे औषधीय पौधों की कतारें एक ऐसी मौन स्वास्थ्य-पट्टी बन सकती हैं, जो बिना कुछ कहे यात्री के मन तक पहुंचे। लंबी यात्रा में धूल, धुआं, शोर और तनाव के बीच तुलसी की सुगंध, नीम की छाया या आंवला-जामुन की हरियाली मन को ठहरने का अहसास दे सकती है। साथ ही, ये पौधे प्रकृति के उस पुराने ज्ञान की याद दिलाएंगे, जिसे आधुनिक जीवन सुविधा की दौड़ में पीछे छोड़ आया है। एक ओर वे कार्बन सोखकर हवा को बेहतर बनाएंगे, दूसरी ओर आयुर्वेद की परंपरा को आधुनिक राजमार्गों से जोड़ेंगे। सड़क और स्वास्थ्य का यह संगम विकास को थोड़ा और मानवीय बना सकता है। किसी योजना की उम्र उसके उद्घाटन से नहीं, उसके निभाए जाने से तय होती है। 'आरोग्य वन' जैसी पहल तभी सचमुच जीवित रहेगी, जब सरकारी फाइलों से निकलकर स्थानीय समाज की जिम्मेदारी बने। राजमार्ग प्राधिकरण अकेले इसे नहीं संभाल सकता; स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवी संस्थाएं, आयुष व वन विभाग और प्रशासन को साथ आना होगा। किसानों के लिए औषधीय पौधों की खेती अतिरिक्त आमदनी का द्वार खोल सकती है। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को इनके संरक्षण और पहचान से जोड़ने पर पर्यावरण शिक्षा किताबों से निकलकर मिट्टी तक पहुंचेगी। तब पौधा किसी सरकारी योजना का आंकड़ा नहीं, गांव, किसान, विद्यार्थी और यात्री—सबकी साझा जिम्मेदारी बनेगा।

बड़ी योजनाएं जमीन पर उतरने वाले कदमों से आकार लेती हैं। एनएचएआई की मौजूदा योजना में पहले चरण में टोल प्लाजा और विश्राम स्थलों के पास चुनिंदा भूखंडों पर रोपण हो रहा है। राष्ट्रीय

[राजमार्गों के किनारे बोया जा रहा है सेहत और प्रकृति का भविष्य]
[राजमार्गों की खाली जमीन अब देश के स्वास्थ्य की जमीन बनेगी]

औषधीय पौधा बोर्ड (एनएमपीबी) और आयुष मंत्रालय के अनुभव से हरियाली के साथ औषधीय संसाधन भी तैयार किए जाएं। मॉडल जोन और सेंसर-आधारित सिंचाई उपयोगी हैं, लेकिन सूखे क्षेत्रों में पानी और रखरखाव जरूरी है। स्थानीय वैद्य और आयुर्वेद विशेषज्ञ क्षेत्रानुकूल प्रजातियां तय करें। कच्चे माल को स्थानीय फार्मेसियों और आयुष केंद्रों से जोड़ा जाए। विश्राम स्थलों पर सूचना-पट्ट लगें, ताकि यात्री पौधों का औषधीय महत्व जानें। तब सड़क सफर के साथ ज्ञान का रास्ता भी बनेगी।राजमार्गों के किनारे पड़ी जमीन विकास की उस कहानी का अनकहा हिस्सा है, जिसे अक्सर कोई पढ़ता ही नहीं। धूल, तपिश, अतिक्रमण और प्रदूषण ने इन पट्टियों को उपेक्षा का भूगोल बना दिया है। औषधीय पौधों की योजनाबद्ध कतारें इसी भूले हुए भूभाग में फिर जीवन भर सकती हैं। घनी हरियाली धूल थामने, तापमान संतुलित करने और मिट्टी बचाने में मदद करेगी। साथ ही, यही वनस्पति पक्षियों, तितलियों और छोटे जीवों के लिए छोटे-छोटे आश्रय रचेगी। तब राजमार्ग केवल पहियों का गलियारा नहीं रहेगा; वह जैव-विविधता की जीवन-पट्टी भी बन सकेगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसे हरित गलियारे भविष्य की पर्यावरण नीति का अहम आधार बन सकते हैं।हरियाली का अर्थ तब खुलता है, जब वह जीवन को छूने लगे। इस योजना का महत्वपूर्ण पक्ष स्वास्थ्य है। आधुनिक जीवन ने बीमारी का नया भूगोल रचा है—तनाव, प्रदूषण और बिगड़ती जीवनशैली उसका हिस्सा हैं। ऐसे में औषधीय वनस्पतियों को सजावटी हरियाली मानना भूल होगी। वैज्ञानिक संरक्षण, कटाई और प्रसंस्करण से इनकी सामग्री सस्ती स्वास्थ्य-उपयोगों तक पहुंच सकती है। हालांकि राजमार्ग किनारे प्रदूषण (धूल, वाहन उत्सर्जन) से औषधीय गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, इसलिए कटाई-उपयोग से पहले वैज्ञानिक परीक्षण जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं दूर हैं, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय वनस्पतियां सहायक हो सकती हैं। लेकिन सावधानी जरूरी है—हर औषधीय पौधा हर व्यक्ति का उपचार नहीं। सही पहचान, वैज्ञानिक परीक्षण और विशेषज्ञ सलाह से ही इसकी संभावना जनहित में बदली जा सकती है।हर पौधा लग जाने से हरियाली नहीं बनती; उसकी सांसें बची रहें, तभी प्रयास सार्थक है। यही इस योजना की सबसे बड़ी चुनौती है। सरकारी योजनाओं में पौधों की संख्या गिनना आसान है, उनकी जीवित रहने की दर गिनना असली प्रशासनिक कसौटी है। इसलिए सफलता का पैमाना 'कितने पौधे लगाए' नहीं, बल्कि 'कितने बचे, कितने बढ़े और कितना उपयोगी हुए' होना चाहिए। राजमार्ग प्राधिकरण, वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारियां स्पष्ट हों। नियमित स्वतंत्र मूल्यांकन हो और नष्ट पौधों का पुनरोपण सुनिश्चित किया जाए। स्थानीय लोगों को संरक्षण से जोड़ने के लिए पुरस्कार और प्रोत्साहन मिलें। जवाबदेही जितनी साफ होगी, योजना उतनी ही कागज से निकलकर जमीन पर जड़ पकड़ेगी।सड़कें जब केवल दूरी नहीं, देश की सोच भी तय करने लगें, तभी विकास का अर्थ व्यापक होता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर औषधीय पौधों की पहल इसी बदलती सोच की अभिव्यक्ति है। राजमार्ग देश की धमनियां हैं तो उनके किनारे उगती हरियाली प्रकृति, स्वास्थ्य और समाज के बीच जीवंत सेतु बन सकती है।

इसकी सफलता पौधों की संख्या या सड़क की सुंदरता में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, किसान की आय, आयुर्वेदिक ज्ञान, जैव-विविधता और स्वास्थ्य-जागरूकता में दिखाई देगी। तब राजमार्ग केवल दूरी घटाने वाली राह नहीं रहेगा—वह देश की यात्रा में जीवन को बेहतर बनाने वाली हरित धारा बन जाएगा।

अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध

विनीत नारायण

हम तेज़ी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं।

आप भारत के किसी भी शहर या कस्बे में घूम कर देखिए तो सबसे ज़्यादा दुकानें अंग्रेज़ी दवाओं की मिलेंगी या पैथोलॉजी टेस्ट और एमआरआई आदि करने वाले सेंटर मिलेंगे या पचासों नर्सिंग होम व अस्पताल मिलेंगे। ज़ाहिर है कि हम तेज़ी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं।

हज़ारों सालों से ऋषि मुनियों ने अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर इन धर्मशास्त्रों की रचना की थी जो कलयुग के प्रारंभ में छिन्न-भिन्न हो गए। इसलिए नेमिशारण्य में शौनक ऋषि के नेतृत्व में देश भर के कोने-कोने से अट्ठासी हज़ार ऋषि वहाँ ज्ञान चर्चा के लिए एकत्र हुए और लंबे व गहरे चिंतन व संवाद के बाद उस ज्ञान को लेकर पुनः भारत के कोने-कोने में पहुँच गए। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा और ये पद्धतियाँ समाज में स्वीकृत और प्रतिष्ठित हो गई, जिनके अनुसार हम आज भी कुछ सीमा तक आचरण कर रहे हैं।

उदाहरण के लिए फागुन पूर्णिमा को होलिकोत्सव करना, मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ के लड्डू खाना और दान करना। सूर्य-चंद्र ग्रहण के समय खाना-पीना नहीं या फिर गणेश जी के पूजन के लिए दूर्वा का, शंकर जी के पूजन के लिए बेलपत्र का और विष्णु पूजन के लिए तुलसी पत्र का प्रयोग करना उसी परंपरा का प्रभाव है। इसी तरह विजयदशमी को शस्त्र पूजन करना, पाटी पूजन करना या विद्वानों को दक्षिणा देना, दीपावली के पहले अपने आवास की लिपाई-पुताई करना और लक्ष्मी पूजन के बाद दीपोत्सव करना। ये सब शास्त्र शुद्ध पद्धतियों का समावेश कर, जिन ग्रंथों की रचना की गई उन्हें धर्मशास्त्र कहते हैं। धर्म वही है जिसे प्रजा धारण करे यानी उसके अनुसार आचरण करे तो

समाज को स्थिरता प्राप्त होती है।

यही बात हमारे दैनिक आहार और पाक-क्रिया पर भी लागू होती है। हमारा आहार शास्त्र और पाक शास्त्र धर्मशास्त्रों का ही एक महत्वपूर्ण अंग है। जरा सोचें कि अधिकांश लोगों का भोजन, दाल-चावल, रोटी-सब्ज़ी होगा, यह किसने तय किया? दाल-सब्ज़ी को छौंकने का आविष्कार किसने किया होगा? श्राद्ध में उड़द की दाल की पकौड़ी, कचौड़ी, इमरती खाना और होली के दिनों में खजूर और ज्वार खाना और चैत्र के महीने में कड़वे नीम का रस पीना ये किसने और कब तय किया होगा?

इन परंपराओं को हम केवल अंधविश्वास से नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के उद्देश्य से आज भी निभाते आ रहे हैं। इसी तरह दक्षिण भारत में इडली डोसा, महाराष्ट्र में वरण और भात, राजस्थान में दाल-बाटी और सैंगरी, गुजरात में भकड़ी और सुखड़ी, पंजाब में परांठे और लस्सी, उड़ीसा में पखालभात, बंगाल में माछ-भात, ये कैसे और कब हमारी दिनचर्या में आए और आज भी हम इनका पालनकरते हैं।

इसी तरह, भोजन बनाने की विभिन्न पद्धतियां, विभिन्न मसालों का प्रयोग, शुद्ध घी या फिर सरसों, तिल या नारियल के तेल का प्रयोग, भोजन परोसने की विभिन्न पद्धतियां, उनको पकाने और खाने के लिए विभिन्न धातुओं के पात्रों का प्रयोग किसने और कब सिखाया होगा? युगों से जो हम करते आए हैं वह हमें बहुत ही सहज और स्वाभाविक लगता है। पर विचार करने पर आश्चर्य होता है कि उन ऋषियों की समग्र बुद्धि और सूक्ष्मता पर, जिन्होंने इस विज्ञान को स्थापित किया। भोजन बनाना, परोसना और उसका आस्वादन करना, यह तत्वज्ञान है, यह यज्ञ है, शास्त्र है, कौशल है, कला है, रसास्वादन है, प्राणों की पुष्टि है, इन्द्रियों और मन का सुख है और यह हमारा संस्कार है। एक साथ पोषण, तोषण, संस्कार, आनंद और आत्म दर्शन है।

अपनी संस्कृति के इन मूल तत्वों के कारण, भारत चिरंजीव बना है। इस वास्तविकता को अब पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। परंतु हम स्वयं ही आज इन बातों से विमुख हो गए हैं। मैकॉले की आजतक लागू शिक्षा पद्धति ने हमारी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। अपने रीति-रिवाज़ों, परंपराओं, पद्धतियों और ख़ान-पान व पहनावे का सम्मान करने की बजाए हम उनका उपहास करना, आलोचना करना और उपेक्षा करना अपने आधुनिक होने का प्रमाण मानते हैं। हम अन्न को पवित्र मानने के स्थान पर उसे बाज़ार में बिकने वाला एक सामान्य पदार्थ मानने लगे हैं। अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध है, इस बात को भूल कर केवल स्वाद की संतुष्टि के लिए ही उसे ग्रहण करते हैं।

इसलिए देश में अन्न का संकट और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संकट बढ़ गया है। जैस कोई हीरे को पत्थर समझ कर फेंक दे, वैसे ही हमने अपने शास्त्रों को फेंक दिया है और पश्चिम की बाज़ारू संस्कृति के गुलाम बन गए हैं। हमारे दैनिक जीवन में ऑनलाइन आनेवाला भोजन इसका प्रमाण है। जिसका परिणाम है आधुनिक चिकित्सा का दिन-दूना और रात-चौगुना बढ़ता कारोबार। उपरोक्त ज्ञान का आधार पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट, कांकरिया, अहमदाबाद से प्रकाशित एक अत्यंत मूल्यवान ग्रंथ 'आहारशास्त्र' है जो आज हर घर में होना चाहिए। मात्र पाँच सौ रुपए का यह ग्रंथ पढ़कर हर महिला अपने घर को निरोगी, सुखी व संपन्न बना सकती है।

इसी क्रम में याद आया कि कई बरस पहले अमरीका के कई बड़े शहरों में अपनी व्याख्यान माला के दौरान, लॉस एंजलेस से सैनहोज़े की फ्लाइट में एक वृद्ध अमरीकी महिला, जो मेरे साथ बैठी थीं, उनसे मैंने पूछा कि वे कहाँ जा रही हैं? वे बोलीं अपनी नातिन के पास। क्योंकि वो फ़ोन पर कहती है, नानी आपका बनाया खाना मुझे बहुत अच्छा लगता है। मम्मी जो पका-पकाया खाना बाज़ार से लाती हैं उसमें कोई स्वाद नहीं है। इसलिए मैं कुछ दिनों के लिए उसके पास जा रही हूँ। उनकी ये बात सुनकर मुझे अपनी माँ और नानी के बनाए खाने का स्वाद मुंह में आ गया। वो स्वाद जिससे आज की युवा पीढ़ी और हमारे नाती-पोते बहुत तेज़ी से वंचित होते जा रहे हैं।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। ज्यादा व्यस्त रहने के कारण आप अपने आसपास ध्यान नहीं दे पाएंगे। अपनों के प्रति प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। सभी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिवार के सदस्य की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। रचनात्मक कार्य में आप सूझ-बूझ से आगे बढ़ेंगे। आपके घर आज किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जाएंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर बहुत ही सोच-समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को अपना प्रोजेक्ट पूरा करने में सफलता मिलेगी।

कर्क राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं। इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में न करें। राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग मिलेगा, जिससे आप अपने कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको आर्थिक मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

तुला राशि: आपके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को अच्छी तरह पूरा करने में सफल होंगे। ऑफिस के कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज पास की किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज आपको कर्ज से छुटकारा मिलेगा, जिससे रिलैक्स महसूस करेंगे। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। आज किसी कठिन काम को मेहनत, धैर्य और समझदारी से आसानी से निपटा लेंगे। लेकिन ऑफिस में व्यस्तता के चलते घर देर से पहुंचेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का प्रयत्न करें। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। व्यापारिक मामलों में जवाबदारी बढ़ सकती है। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी होगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। लवमेट आज फोन पर देर तक बात करेंगे।

मीन राशि:आज का दिन आपके लिए अच्छा है। ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है, इसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आपके रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। आज आप अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए प्लान तैयार करेंगे। आपको आज नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है। आय के नये-नये रास्ते मिलेंगे। जीवनसाथी आज आपकी बातों को अच्छे से समझेंगे। लवमेट के साथ आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे।

भारत की नई वैश्विक आर्थिक छलांग : आर्थिक महाशक्ति बनने पूंजी,अंतरिक्ष,विदेशी मुद्रा और ब्रिक्स के बीच विज़न 2047 की निर्णायक राह -समग्र व्यापक विश्लेषण

भारत का नया ग्लोबल पावर गेमः पैसा,बाजार, अंतरिक्ष और ब्रिक्स -2047 तक दुनियाँ की आर्थिक धुरी बनने की तैयारी

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज की दुनियाँ में किसी देश की आर्थिक ताकत का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद शेयर बाजार के सूचकांकों या विदेशी मुद्रा भंडार से नहीं किया जाता। वास्तविक शक्ति उस देश की इस क्षमता से तय होती है कि वह वैश्विक पूंजी कोकितना आकर्षित कर सकता है, अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को कितना सुरक्षित रख सकता है,तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्रों में कितनी आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है तथा बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी आवाज को कितना प्रभावशाली बना सकता है। इसी दृष्टि से वर्ष 2026 भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिखाई देता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अमेरिका यात्रा, ज़ी20 में भारत की सक्रिय भूमिका, ईओएस-05 जैसे अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह की सफलता,विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड स्तर और आगामी 12-13 सितंबर 2026 नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन,ये सभी घटनाएं अलग-अलग दिखाई देती हैं,लेकिन वास्तव में इनके पीछे एक साझा कहानी है: भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल भागीदार नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति बनने की दिशा में सटीकता से आगे बढ़ रहा है।

साथियों, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की हालिया अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कूटनीति इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकारी कार्यक्रम के अनुसार 25 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा के दौरान उन्होंने निवेशकों, कंपनियों और वित्तीय क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा अमेरिका में शिकागो, एशविले और न्यूयॉर्क का दौरा किया। एशविले में 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित ज़ी 20 फाइनेंस मिनिस्टर्स एंड सेंट्रल बैंक गवर्नर्स बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना विशेष महत्व रखता है।इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक आर्थिक संकटों पर प्रतिक्रिया देने वाला देश मात्र नहीं रहना चाहता,बल्कि वैश्विक आर्थिक नियमों, वित्तीय स्थिरता और विकास की दिशा तय करने वाली बातचीत में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में जब व्यापार तनाव, ऊर्जा कीमतों, ऋण संकट और भू-राजनीतिक संघर्षों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अनिश्चितता बढ़ाई है, भारत का संदेश यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक निवेश, उत्पादन और तकनीकी विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनी हुई है।

इसका सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जब वित्त मंत्री विश्व के बड़े निवेशकों के सामने भारत की आर्थिक क्षमता, निवेश अवसरों और वित्तीय क्षेत्र की संभावनाओं को प्रस्तुत करती हैं, तो इसका महत्व केवल कूटनीतिक नहीं होता। विदेशी संस्थागत निवेशक किसी बाजार में पैसा लगाने से पहले आर्थिक वृद्धि,मुद्रास्थिरता विदेशी मुद्रा भंडार राजकोषीय स्थिति,नीतिगत स्थिरता और कॉर्पोरेट संभावनाओं को देखते हैं।यदि इन मोर्चों पर विश्वास मजबूत होता है तो भारतीय इक्विटी बाजार में दीर्घकालिक विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ सकताहैहालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि शेयर बाजार लगातार ऊपर ही जाएगा। वैश्विक ब्याज दरें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें, युद्ध और व्यापार नीतियां भारतीय बाजार में अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। इसलिए भारत की कहानी मजबूत होने के बावजूद निवेशकों के लिए जोखिम प्रबंधन उतना ही महत्वपूर्ण रहेगा।

साथियों, इसी आर्थिक कहानी को भारत के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने और मजबूती दी है।28 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 अरब डॉलर बढ़कर 740.803 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां लगभग 600.67 अरब डॉलर और स्वर्ण भंडार लगभग 116.41 अरब डॉलर रहा। यह उपलब्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महज एक आंकड़ा नहीं है। विशाल विदेशी मुद्रा भंडार वैश्विक झटकों के सामने सुरक्षा- कवच की तरह काम करता है।यदि डॉलर मजबूत होता है, पूंजी बाजारों में अचानक निकासी होती है या तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार भारतीय रिजर्व बैंक को बाजार में व्यवस्थित हस्तक्षेप और रुपये में अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करने की क्षमता देता है। यही कारण है कि रिकॉर्ड रिजर्व भारतीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के मन में भारत की बाहरी वित्तीय स्थिरता को लेकर विश्वास बढ़ा सकता है।रुपये के संदर्भ में भी इसका महत्व अत्यंत बड़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होने से बाजार में यह विश्वास पैदा होता है कि भारत के पास वैश्विक भुगतान दायित्वों और बाहरी झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी आवश्यक है,उच्च विदेशी मुद्रा भंडार अपने आप में रुपये को स्थायी रूप से मजबूत नहीं बनाता।कच्चे तेल का आयात, अमेरिकी डॉलर की वैश्विक मांग,ब्याज दरों का अंतर और पूंजी प्रवाह जैसे अनेक कारक रुपये की दिशा तय करते हैं। इसलिए रिकॉर्ड रिजर्व को भारत की वित्तीय ताकत का संकेत माना जाना चाहिए,न कि शेयर बाजार या मुद्रा में सटीकता से निश्चित तेजी की गारंटी।

मां-बाप के सामने बेटे को लात मारकर चलती ट्रेन से फेंका, दर्दनाक मौत; इस बात को लेकर हुआ था विवाद

मथुरा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में हाथरस से मथुरा आ रही एक पैसेंजर ट्रेन में शुक्रवार दोपहर रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई। गेट के पास बैठने को लेकर हुए मामूली विवाद में एक सिरफिरे युवक ने मां-बाप के सामने ही उनके बेटे को लात मारकर चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। पटरियों पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हुए युवक ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। आंखों के सामने कलेजे के टुकड़े की इस तरह दर्दनाक मौत देखकर माता-पिता की चीखों से पूरा डिब्बा दहल उठा। साथी यात्रियों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही दबोचकर जीआरपी के हवाले कर दिया।

गेट पर बैठने को लेकर हुआ था मामूली झगड़ा

हाथरस के गांव रानी का नगला निवासी संजू देवी और उनके पति लख्मी चंद्र अपने दो बेटों अनुज और जतिन के साथ दोपहर करीब एक बजे मथुरा जाने के लिए ट्रेन में सवार हुए थे। दोपहर करीब दो बजे जब ट्रेन राया और लक्ष्मी नगर रेलवे स्टेशन के बीच से गुजर रही थी, तभी डिब्बे के गेट के पास बैठने की बात को लेकर जतिन का विवाद अलीगढ़ निवासी विजेंद्र नामक युवक से हो गया। देखते ही देखते दोनों के बीच तू-तू, मैं-मैं हाथापाई में बदल गई। इसी दौरान विजेंद्र ने अचानक तैश में आकर जतिन के सीने पर जोरदार लात मार दी, जिससे संतुलन बिगड़ने पर वह सीधे चलती ट्रेन से नीचे जा गिरा।

पुलिस का डर खत्म, दिल्ली बनी क्राइम कैपिटल', मयूर विहार फेज 3 में हत्या के बाद 'आप' ने सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज 3 में एक व्यक्ति की हत्या के बाद आम आदमी पार्टी ने दिल्ली पुलिस और भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का डर पूरी तरह खत्म हो गया है और अपराधियों को कानून का कोई डर नहीं रहा है। गार्ड ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन वह उसे कैसे बचा सकता था? हो सकता था कि वह खुद भी मारा जाता। उन्होंने कहा, आज पुलिस का डर पूरी तरह खत्म हो गया है और अपराधियों को कानून का कोई डर नहीं रहा। दिल्ली क्राइम कैपिटल बन गई है। अकेले मेरे चुनाव क्षेत्र में पिछले एक महीने में सात-आठ हत्याएं हुई हैं। लगातार हत्याएं हो रही हैं। हम जवाब मांग रहे हैं कि ये हत्याएं क्यों हो रही हैं, लेकिन दिल्ली पुलिस के पास कोई जवाब नहीं है। भाजपा के पास कोई जवाब नहीं है। स्थानीय सांसद के पास कोई जवाब नहीं है।

आप विधायक ने कहा, देश की राजधानी दिल्ली अब अपराध की राजधानी बन चुकी है। कोंडली क्षेत्र में और 10 प्रतिशत अधिक अपराध हो रहा है। दिल्ली पुलिस और भाजपा मौन बैठी हुई है।पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मयूर विहार फेज 3 में सुबह करीब 5 बजे एक व्यक्ति की डंडों और रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। मृतक की उम्र करीब 40 साल बताई जा रही है। पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए आस-पास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।वहीं, घटनास्थल पर व्यक्ति को बचाने की कोशिश करने वाले सिक्योरिटी गार्ड ने आईएएनएस से कहा, रविवार तड़के करीब 4 बजे का समय था। दो आदमी थे। मैंने उन्हें देखा तो उन्होंने मुझे धमकाया, इसलिए मैं वहां से हट गया।

अमृतसर एयरपोर्ट पर 4 संदिग्ध ड्रोन से हड़कंप, 7 उड़ानें डायवर्ट; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

अमृतसर (आरएनएस)। पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एयरपोर्ट के ऑपरेशनल एरिया में 2 से 4 संदिग्ध ड्रोन या उड़ती हुई वस्तुएं दिखाई दीं। रनवे और उसके आसपास संदिग्ध गतिविधि नजर आते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने अलर्ट जारी कर दिया। सुरक्षा के मद्देनजर अमृतसर आने वाली 7 उड़ानों को दिल्ली और चंडीगढ़ डायवर्ट कर दिया गया।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध ड्रोन अथवा उड़ती हुई वस्तुएं गांव रजाला की दिशा से एयरपोर्ट की ओर आती दिखाई दीं। ये कुछ मिनटों तक रनवे और आसपास के संवेदनशील इलाके में मंडराते रहे। इसके बाद,ळ्रष्ट ने सुरक्षा अलर्ट जारी किया और एहतियात के तौर पर अमृतसर आने वाली कई उड़ानों का रूट बदल दिया गया।

इन 7 उड़ानों को किया गया डायवर्ट

मलेशिया एयरलाइंस - कुआलालंपुर से अमृतसर — दिल्ली डायवर्ट

इंडिगो -मुंबई से अमृतसर — चंडीगढ़ डायवर्ट

इंडिगो - दिल्ली से अमृतसर — चंडीगढ़ डायवर्ट

एयर इंडिया -दिल्ली से अमृतसर — दिल्ली वापस भेजा गया

एयर इंडिया - दिल्ली से अमृतसर — दिल्ली वापस भेजा गया

इंडिगो - शारजाह से अमृतसर — दिल्ली डायवर्ट

एयर इंडिया एक्सप्रेस - शारजाह से अमृतसर — दिल्ली डायवर्ट

श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमृतसर शहर से करीब 11 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में राजा सांसी में स्थित है। यह पंजाब का सबसे बड़ा और व्यस्त हवाई अड्डा है। इसका नाम सिखों के चौथे गुरु और अमृतसर शहर के संस्थापक गुरु राम दास के नाम पर रखा गया है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक होने के कारण अमृतसर एयरपोर्ट सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा यहां से हवाई दूरी के लिहाज से 30 किलोमीटर से भी कम, करीब 18.6 मील दूर है।

दर्दनाक हादसा : डिवाइडर से टकराने के बाद श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी, 6 की मौत; 30 घायल

बागपत (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 30 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर है। हादसा खेकड़ा थाना क्षेत्र में बड़ागांव कट के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, पिकअप में सवार श्रद्धालु राजस्थान से उत्तर प्रदेश के बदायूं जा रहे थे। देर रात करीब 12:30 बजे डायल-112 के जरिए पुलिस को हादसे की सूचना मिली। सूचना मिलते ही खेकड़ा थाना पुलिस के साथ चार पीआरवी और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर वाहन में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला।

यूपी समेत 5 राज्यों में चुनावी बिगुल जल्द! जनगणना के फैसले से फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव के संकेत

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में जनगणना का काम आगे बढ़ाने तथा मणिपुर में जनगणना के पहले चरण को टालने के केंद्र के फैसले से इन पांच राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश समेत पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में कराए जा सकते हैं।

इन पांच राज्यों में सबसे पहले मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 13 मार्च 2027 को समाप्त होगा। इसके बाद गोवा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च, पंजाब का 16 मार्च और उत्तराखंड का 18 मार्च को खत्म होगा। वहीं, उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 को समाप्त होगा।

2022 में भी इन पांचों राज्यों में लगभग एक साथ विधानसभा चुनाव हुए थे। हालांकि, उत्तर प्रदेश विधानसभा की पहली बैठक 22 मई 2022 को हुई थी। ऐसे में 2027 में भी चुनाव आयोग द्वारा पांचों राज्यों में एक साथ चुनाव कराने की संभावना है। आयोग की परंपरागत व्यवस्था के मुताबिक सबसे

पहले समाप्त होने वाली विधानसभा यानी मणिपुर का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई जा सकती है।

इस स्थिति में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव उसके मौजूदा कार्यकाल की समाप्ति से करीब दो महीने पहले हो सकते हैं। यह पिछले तीन विधानसभा चुनावों के पैटर्न के अनुरूप भी होगा। संवैधानिक प्रावधानों के तहत चुनाव आयोग किसी राज्य में विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले तक चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में बड़ी आबादी और मतदाताओं की संख्या को देखते हुए कई चरणों में मतदान कराए जाने की संभावना है। हालांकि, बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा अपनाए गए हालिया तौर-तरीकों को देखते हुए चरणों की संख्या पहले की तुलना में कम रखी जा सकती है। यदि उत्तर प्रदेश में बिहार की तरह मतदान को दो चरणों तक सीमित किया जाता है, तो चुनावी प्रक्रिया फरवरी या मार्च की शुरुआत में शुरू हो सकती है।

चुनाव वाले पांच राज्यों में से तीन राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का काम पूरा हो चुका है, जबकि दो राज्यों में यह प्रक्रिया जारी है। ऐसे में विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले चुनाव आयोग द्वारा इन राज्यों में दोबारा SIR कराने की संभावना कम मानी जा रही है।

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट की मस्जिद के नीचे 20 फीट गहराई में क्या मिला, ASI खुद उतरी तो लखौरी ईंटों ने बढ़ाया 200 साल पुराना रहस्य।

सत्य निकेतन हादसे के बाद ष्टरूरेखा गुप्ता का 'एक्शन मोड', 5वीं मंजिल वाले सभी भवनों को सील करने का निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद बड़ी कार्रवाई की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इमारत के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और लापरवाही या चूक के दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा, लापरवाही पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में कहा, यह बहुत पुरानी इमारत थी। बेसमेंट में पानी भरने से इसके पिलर कमजोर हो गए, जिससे पूरी इमारत गिर गई। इस मामले में कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है और इमारत के मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इसके ठीक पीछे बनी इमारत को पूरी तरह खाली करा लिया गया है और एहतियात के तौर पर उसे गिरा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, नगर निगम के साथ मिलकर सरकार एक ऐसी पॉलिसी बना रही है जिससे यह पक्का किया जा सके कि पब्लिक डोमेन में चलने वाले पीजी अकोमोडेशन, नर्सिंग होम और स्कूल का समय-समय पर स्ट्रक्चरल ऑडिट हो। जिन इमारतों को स्ट्रक्चरल रूप से सुरक्षित प्रमाणित नहीं किया जाएगा, उनमें किसी भी तरह की पब्लिक एक्टिविटी की इजाजत नहीं होगी। रेखा गुप्ता ने कहा, हम छात्रों को असुरक्षित पीजी अकोमोडेशन में रहने नहीं देंगे। इलाके से निकाले गए छात्रों के रहने की व्यवस्था कर दी गई है और सरकार उनकी जरूरतों और भलाई का पूरा ध्यान रख रही है। हम इस घटना से प्रभावित लोगों के माता-पिता के भी सीधे संपर्क में हैं।

रेबीज वैक्सीन 'अभयरैब' का संदिग्ध बैच मिलने से हड़कंप, डीसीजीआई ने जारी किया अलर्ट; कंपनी बोली- नकली शीशियां बना रहे जालसाज

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के राष्ट्रीय दवा नियामक ने देश भर में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाली प्रमुख रेबीज रोधी वैक्सीन 'अभयरैब' के एक बैच को लैब जांच में घटिया और संभावित रूप से नकली (स्प्यूरियस) पाए जाने के बाद सख्त अलर्ट जारी किया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की कसौली स्थित प्रयोगशाला में हुए परीक्षण के दौरान इस वैक्सीन का एक फील्ड सैंपल मानकों पर पूरी तरह खरा नहीं उतरा और इसकी पोटेंसी आवश्यक स्तर से कम पाई गई। इसके बाद ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया राजीव सिंह रघुवंशी ने सभी राज्यों के दवा नियामकों को पत्र लिखकर इस विशेष बैच की आवाजाही और वितरण पर कड़ी निगरानी रखने तथा तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीडीएससीओ की कसौली प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट में सैंपल को 'मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं' और 'मिसब्रांडेड' श्रेणी में रखा गया है। लैब ने जब जब्त किए गए सैंपल का मिलान वैक्सीन निर्माता 'इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड' द्वारा पहले जमा किए गए वास्तविक रेफरेंस सैंपल से किया, तो दोनों में कई गंभीर अंतर पाए गए। जांच में लेबलिंग, आर्टवर्क, क्यूआर-कोड वेरिफिकेशन, शीशी के ढक्कन का रंग, लाइसेंस विवरण और पैकेजिंग की लिखावट समेत कुल 17 तरह की बड़ी विसंगतियां सामने आईं, जिससे साफ हो गया कि बाजार में नकली वैक्सीन का खेल चल रहा था।

कंपनी का दावा- अनधिकृत ठिकाने से पकड़ी गईं नकली शीशियां मामले पर सफाई देते हुए सरकारी उपक्रम इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड ने स्पष्ट किया कि जिस बैच की जांच की गई, उसके सैंपल दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित एक अवैध रिहायशी ठिकाने से जब्त किए गए थे।

निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के बीच इसरो के कर्मचारियों ने उठाए सवाल, भविष्य की भूमिका पर मांगी स्पष्टता

-अध्यक्ष को पत्र लिख पूछे सवाल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कर्मचारियों ने पहली बार संस्थान की भविष्य की भूमिका और कार्यप्रणाली को लेकर औपचारिक चिंता जताई है। इसरो के विभिन्न केंद्रों से जुड़े नौ कर्मचारी संगठनों ने संगठन के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव वी. नारायणन को पत्र लिखकर निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के बीच इसरो की भावी भूमिका को लेकर स्पष्टता मांगी है।चार सितंबर को भेजे गए इस पत्र में कर्मचारी संगठनों ने सरकार की निजीकरण नीति, इसरो की भविष्य की भूमिका तथा मौजूदा कर्मचारियों और भविष्य में होने वाली भर्तियों पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर कई सवाल उठाए हैं। संगठनों का कहना है कि व्यावसायिक गतिविधियों में निजी क्षेत्र की भागीदारी एक मजबूत और सार्वजनिक स्वामित्व वाले इसरो के साथ सह-अस्तित्व में रह सकती है, लेकिन संस्थान की मूल क्षमताओं को कमजोर किए बिना। पत्र पर इसरो के कई कर्मचारी संगठनों के हस्ताक्षर हैं। इनमें इसरो स्टाफ एसोसिएशन, एसएचएआर कर्मचारी संघ, आईएससी कर्मचारी संघ, इसरो स्टाफ एसोसिएशन-एलपीएससी, इसरो स्टाफ एसोसिएशन-बीबीयू, एनआरएसए कर्मचारी यूनियन, स्पेस कर्मचारी एसोसिएशन-बीबीयू, इसरो स्टाफ एसोसिएशन-आईपीआरसी और एसएसी कर्मचारी कल्याण संघ शामिल हैं। कर्मचारी संगठनों ने पत्र में कहा है कि ऐसी नीति को बिना व्यापक चर्चा के स्वीकार नहीं किया जा सकता, जिसके तहत इसरो को केवल अनुसंधान एवं विकास तक सीमित कर दिया जाए और प्रक्षेपण यान के निर्माण तथा उससे जुड़े बुनियादी ढांचे की जिम्मेदारी सरकारी हाथों से बाहर चली जाए।संगठनों ने कहा कि प्रक्षेपण यान का डिजाइन, निर्माण, एकीकरण, परीक्षण और प्रक्षेपण संचालन महज कोई सामान्य निर्माण ठेका नहीं है। ये गतिविधियां इसरो की मूल तकनीकी क्षमता, संस्थागत अनुभव और रणनीतिक सामर्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कर्मचारी संगठनों ने इसरो द्वारा विकसित तकनीक को राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए उसके हस्तांतरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि मौजूदा कर्मचारियों को नीतिगत बदलावों की जानकारी देने, उनकी राय लेने और उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है। पत्र में कर्मचारी संगठनों ने इसरो की भविष्य की भूमिका को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा है कि सार्वजनिक संगठन के रूप में इसरो की भविष्य में क्या भूमिका होगी? क्या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी प्रक्षेपण यान निर्माण जैसे कार्यों से बाहर रखा जाएगा? मौजूदा कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा के लिए क्या उपाय किए जाएंगे? संगठनों ने यह भी सवाल उठाया कि सार्वजनिक धन से विकसित तकनीकों को निजी संस्थानों को किस प्रक्रिया के तहत हस्तांतरित किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या इसरो की संरचना या कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले किसी भी बड़े निर्णय से पहले कर्मचारी संगठनों से सलाह ली जाएगी।

टीएमसी सांसद नदीमुल हक पर ED का शिकंजा, कोलकाता से दिल्ली तक कई ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े ठिकानों पर सोमवार को छापेमारी की। ED की टीमें कोलकाता और दिल्ली में एक साथ तलाशी अभियान चला रही हैं। कोलकाता में नदीमुल हक के उर्दू अखबार 'अखबार-ए-मशरिक' के कार्यालय और उनके आवास पर तलाशी ली जा रही है। वहीं, दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर भी ED की कार्रवाई जारी है। यह आवास अस्थायी रूप से TMC के कार्यालय के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है।

कोलकाता में ED की कार्रवाई पार्क सर्कस के दरगा रोड स्थित 'अखबार-ए-मशरिक' के कार्यालय में चल रही है। नदीमुल हक इस अखबार के निदेशक बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान कार्यालय परिसर को केंद्रीय सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। सुरक्षा कारणों से कार्यालय का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया गया है और तलाशी अभियान के दौरान किसी को भी अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

ED सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई संदिग्ध वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जांच के तहत की जा रही है। एजेंसी कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित लेन-देन, दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच कर रही है। जांच के दायरे में 'अखबार-ए-मशरिक' से जुड़े वित्तीय दस्तावेज भी शामिल हैं।

'अखबार-ए-मशरिक' का प्रकाशन कोलकाता के अलावा दिल्ली, रांची, आसनसोल, सिलीगुड़ी, भोपाल, लखनऊ और श्रीनगर से भी होता है। ऐसे में ED अलग-अलग प्रकाशन केंद्रों से जुड़े वित्तीय लेन-देन और दस्तावेजों की भी पड़ताल कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, ED की कोलकाता टीम ने मामले से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया है। यह कार्रवाई बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट में दर्ज एक FIR के आधार पर ED द्वारा दर्ज की गई ECIR से जुड़ी बताई जा रही है।

साक्षरता से एआई तक, ज्ञान और कौशल से सशक्त बनेगा यूपी : योगी

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से हर व्यक्ति को साक्षर बनाने के साथ डिजिटल और एआई साक्षरता को बढ़ावा देने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पढ़ना-लिखना सिखाना नहीं, बल्कि बच्चों में ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन को सही दिशा देने वाली समझ विकसित करना है। मुख्यमंत्री ने अपनी 'योगी की पाती' में कहा कि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्हें राष्ट्र निर्माण की नींव मजबूत करने वाले 81 गुरुजनों को सम्मानित करने का सौभाग्य मिला। शिक्षक ज्ञान का प्रकाश फैलाकर आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करने वाले दीप हैं।

सीएम विजय ने डीएमके को दी चेतावनी, कहा-महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ओर से सोमवार को विपक्षी पार्टी डीएमके पर तीखा हमला किया गया। उन्होंने पार्टी और उसके कई वरिष्ठ नेताओं पर सरकार में रहते हुए भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया। पुलिस विभाग के लिए ग्रांट की मांग पर विधानसभा में हुई बहस का जवाब देते हुए, विजय ने कहा कि राजनीतिक आलोचना तो ठीक है लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। सदन में तीखी बहस के बीच उन्होंने कहा कि महिलाओं के बारे में अश्लील या अपमानजनक टिप्पणी करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने उन बयानों की भी आलोचना की जो कथित तौर पर डीएमके पदाधिकारियों ने उन लोगों के खिलाफ दी थी जिन्होंने पार्टी को वोट नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियां लोगों के फैसले के प्रति सम्मान की कमी को दिखाती हैं और यही वजह है कि पार्टी अब विपक्ष में बैठी है।

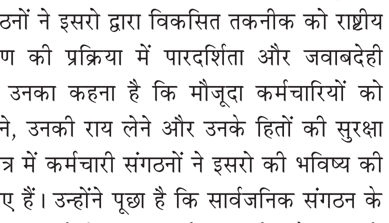

भ्रष्टाचार के आरोपों पर बात करते हुए सीएम विजय ने उन दस्तावेजों और नतीजों का जिक्र किया जो उनके अनुसार आधिकारिक रिकॉर्ड और विधानसभा लाइब्रेरी में मौजूद थे। उन्होंने 1977 की सरकारिया आयोग की रिपोर्ट का हवाला दिया और वीरनम पाइपलाइन प्रोजेक्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री के अनुसार, कॉन्ट्रैक्ट देने के लिए कमीशन की मांग की गई थी जबकि मुख्यमंत्री कार्यालय(सीएमओ) का कथित तौर पर एक खास कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए गलत इस्तेमाल किया गया था। सीएम विजय ने पार्टी फंड के नाम पर पैसे इकट्ठा करने से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि कुछ लेन-देन में 7.5 से 10 प्रतिशत तक कमीशन लिया गया था।

जम्मू-कश्मीर पर भारत के दावे को पाकिस्तान ने बताया 'बेबुनियाद',

>>> भारत ने कहा- आधिकारिक मानचित्र के अनुसार दिखाया जाए पूरा भूभाग

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र द्वारा दुनिया के नए मानचित्र के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले प्रस्ताव को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर जम्मू-कश्मीर को लेकर बयानबाजी शुरू हो गई है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित प्रस्ताव का समर्थन करते हुए स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों सहित भारत के पूरे भूभाग को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही प्रदर्शित किया जाना चाहिए। भारत के इस रुख पर पाकिस्तान ने आपत्ति जताते हुए इसे 'बेबुनियाद' करार दिया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत के दावे को निराधार बताया। पाकिस्तानी मंत्रालय ने कहा कि भारत का रुख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त तथ्यों के विपरीत है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत की एकतरफा कार्रवाइयां और कथित अवैध कब्जा जम्मू-कश्मीर की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विवादित स्थिति को नहीं बदल सकता। मंत्रालय ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में मौजूद सबसे पुराने अनसुलझे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विवादों में से एक है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव न तो किसी विशेष विश्व मानचित्र को अपनाता है और न ही उसे प्रमाणित करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों अथवा स्थानों के नामों से संबंधित राजनीतिक मानचित्रण के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं की गई है।

भारत ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों सहित भारत के पूरे भूभाग को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही प्रदर्शित किया जाना चाहिए। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दुनिया के मानचित्रों के इस्तेमाल को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया है। इसके तहत ऐसे विश्व मानचित्रों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की बात कही गई है, जिनमें देशों और महाद्वीपों का आकार उनके वास्तविक क्षेत्रफल के अनुपात के अधिक करीब दिखाई देता है।

बदल जाएगा दुनिया का नक्शा, UN ने पास किया प्रस्ताव

न्यूयॉर्क (ए.)। संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने सदियों पुरानी भौगोलिक व्यवस्था को बदलते हुए दुनिया के नए नक्शे को लेकर एक बेहद ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया है। इस फैसले के बाद अब क्लासरूम से लेकर सरकारी दफ्तरों तक दिखने वाला विश्व का मानचित्र बदला हुआ नजर आएगा। नए नक्शे में महाद्वीपों और देशों का आकार उनके वास्तविक क्षेत्रफल के सही अनुपात में दिखेगा। भारत समेत 164 देशों ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका (US) इसके विरोध में वोट डालने वाला अकेला देश रहा। 6 देश इस पूरी मतदान प्रक्रिया से दूर रहे।अब तक वैश्विक स्तर पर वर्ष 1569 में यूरोपीय कार्टोग्राफर जेरार्डस मर्केटर द्वारा तैयार किए गए 'मर्केटर वर्ल्ड मैप' का इस्तेमाल होता रहा है। मर्केटर मैप मूल रूप से समुद्री जहाजों को दिशा दिखाने के लिए बना था, लेकिन 3ष्ठ धरती को 2D कागज पर सपाट दिखाने के चक्कर में इसमें भारी विसंगतियां थीं। इसमें भूमध्य रेखा से दूर स्थित देश (जैसे यूरोप, ग्रीनलैंड, कनाडा और रूस) अपने वास्तविक आकार से कहीं ज्यादा बड़े दिखते थे।

व्लादिमीर पुतिन से मिले अमेरिकी दूत कुशनर-विटकॉफ, 3 दिन के संघर्ष विराम पर बनी सहमति

मॉस्को,(ए.)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल शुरू हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जारेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने शनिवार को मॉस्को के क्रेमलिन पैलेस में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान रूस और यूक्रेन दोनों ने वार्ताओं के दौरान एक-दूसरे की राजधानियों (मॉस्को और कीव) पर 3 दिनों तक हवाई हमला न करने का संकल्प लिया है।

अमेरिकी दूतों का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, प्रिय सहयोगियों, मैं मॉस्को में आपका हार्दिक स्वागत करता हूं। बेशक, स्थिति आसान नहीं है। इसके साथ ही पुतिन ने बातचीत शुरू करने से पहले दोनों दूतों से राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी शुभकामनाएं देने का आग्रह भी किया। इधर, ट्रंप ने मीडिया से कहा कि वे दोनों बेहतरीन वार्ताकार हैं और उन्हें यह देखने के लिए भेजा गया है कि क्या शांति की दिशा में कोई प्रगति संभव है। इस कूटनीतिक दौरे के मद्देनजर दोनों पक्षों ने अस्थायी संघर्ष विराम पर सहमति जताई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति के आदेशानुसार, शनिवार आधी रात से लेकर अगले 3 दिनों तक कीव पर कोई हमला नहीं किया जाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिकी दूतों से बातचीत के बाद यूक्रेन शनिवार से सोमवार तक मॉस्को पर किसी भी प्रकार के हमले रोकने के लिए तैयार है। शनिवार को मॉस्को में बातचीत पूरी करने के बाद कुशनर और विटकॉफ रविवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचेंगे, जहां वे राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की के मुताबिक, यह यात्रा इस मायने में भी खास हो सकती है क्योंकि अमेरिकी अधिकारी विमान के जरिए कीव आ रहे हैं।साल 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन का हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद है और सभी विदेशी नेता ट्रेन के रास्ते कीव आते रहे हैं।

अमेरिका की इजरायल को कड़ी नसीहत, कहा- वेस्ट बैंक में करें फिलिस्तीनियों की सुरक्षा

वाशिंगटन (ए.)। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जारी तनाव के मध्य अमेरिका ने इजरायल सरकार को कड़ी नसीहत दी है। इजरायल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने साफ शब्दों में कहा है कि वेस्ट बैंक में रहने वाले फिलिस्तीनियों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी इजरायल सरकार की है। उन्होंने हाल ही में यहूदी प्रवासियों द्वारा फिलिस्तीनी नागरिकों पर बढ़ाए गए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इजरायल से दोषियों के खिलाफ गंभीर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

इजरायल और उसके यहूदी प्रवासियों के कट्टर समर्थक हकाबी ने शनिवार को खुद वेस्ट बैंक के तुरमुस अय्या कस्बे का दौरा किया।

वहां वह फिलिस्तीनी-अमेरिकी नागरिक समीर हजमेह के घर पहुंचे, जिस पर यहूदी प्रवासियों ने बार-बार हमले किए हैं।

हकाबी ने कहा कि वह समुदाय की जायज शिकायतों को सुनने और उनकी स्थिति का जायजा लेने यहां आए हैं।

बता दें कि 4,000 की आबादी वाले तुरमुस अय्या के 80 प्रतिशत लोगों के पास अमेरिकी नागरिकता है।

हकाबी ने कहा, इन समुदायों के लोगों को सुरक्षा और सुरक्षा के स्तर के साथ जीने का अधिकार है और सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इसे सुनिश्चित करे।

कांगो में शादी समारोह के दौरान लगी आग में 22 लोगों की मौत, कई अन्य घायल

किंशासा, (आरएनएस)। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की राजधानी किंशासा से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। वहां एक शादी समारोह के दौरान लगी भीषण आग ने उत्सव के माहौल को मातम में बदल दिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 22 लोगों की जलकर मौत हो गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां कई की हालत गंभीर है।

रिपोर्ट अनुसार, यह भीषण आग शुक्रवार देर रात उत्तरी किंशासा के लिंगवाला इलाके की इमारत में लगी।

आग इतनी तेजी से फैली कि शनिवार तड़के तक इमारत से लपटें उठती रहीं शादी में शामिल हुए मेहमानों ने जान बचाने के लिए भागने की कोशिश की, लेकिन इमारत के गलियारे बेहद संकरे होने के कारण लोग समय रहते बाहर नहीं निकल सके और अंदर ही फंस गए।कई पीड़ित और उनके शव सड़क किनारे पड़े हुए नजर आए।लिंगवाला के मेयर नॉर्बर्ट मुशिंगा ने बताया कि वर्तमान में मृतकों की संख्या 22 है। हालांकि, कई घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है।फिलहाल आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है।

शनिवार सुबह घटनास्थल का दौरा करने पहुंचे कांगो के उपप्रधानमंत्री और आंतरिक मंत्री जैक्वेमिन शबानी ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

ट्रंप ने ईरान के नक्शे पर अपना चेहरा दिखाया, खार्ग द्वीप पर भी किया दावा

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान से जुड़े एक के बाद एक किए पोस्ट किए हैं। इनमें ईरान की अर्थव्यवस्था, तेल निर्यात और राष्ट्रीय कोष की स्थिति पर तंज कसा गया है। यहीं नहीं, एक पोस्ट में तो ट्रंप ने ईरान के नक्शे पर अपनी तस्वीर लगा दी है। इससे कुछ ही दिन पहले उन्होंने सामरिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप स्ट्रेट रखने की बात भी कही थी।

ट्रंप ने एक तस्वीर में खार्ग द्वीप पर संभावित अमेरिकी हमले का संकेत दिया है। एआई से बनी एक तस्वीर में एक लड़ाकू विमान ईरान के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर हमला करता दिख रहा है और वहां भीषण आग लगी हुई है। इस तस्वीर के ऊपर लिखा है, अलविदा खार्ग।

बता दें कि खार्ग द्वीप ईरान के तेल व्यापार की रीढ़ है और देश के बड़े तेल निर्यात का संचालन यहीं से होता है।

ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल की आवाजाही के आंकड़े दिखाए। इसके मुताबिक, इस रास्ते से तेल की आपूर्ति जो युद्ध से पहले 2 करोड़ बैरल प्रतिदिन थी, वह फिर से 1.8 करोड़ बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गई है।

एक पोस्ट में ट्रंप ने दावा किया कि ईरान का कच्चा तेल निर्यात 2025 में करीब 20 लाख बैरल प्रतिदिन था, वह 2026 में गिरकर लगभग शून्य के करीब पहुंच गया है।

अमेरिका में कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त, रनवे से बाहर निकलकर वाहनों से टकराया; 5 की मौत

मियामी(आरएनएस)। अमेरिका के मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेजन कंपनी का एक मालवाहक विमान हादसे का शिकार हो गया। विमान रनवे से फिसलकर बाहर निकल गया और किनारे पर खड़े कई वाहनों से जा टकराया। टक्कर के बाद विमान में भीषण आग लग गई। हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हादसे के बाद विमान से उठती आग और धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अमेजन के प्राइम एयर का विमान संख्या 7598 स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब दो बजे मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे से आगे निकल गया। इसके बाद विमान रनवे के बाहर मौजूद वाहनों से टकरा गया। मियामी-डेड काउंटी के अग्निशमन प्रमुख रे जदाल्लाह ने पत्रकारों को बताया कि विमान ने कई वाहनों को टक्कर मारी। टक्कर के कारण कुछ लोग वाहनों के अंदर फंस गए और घायल हो गए। उन्होंने बताया कि कम से कम दो लोग वाहनों में फंसे हुए थे, जबकि विमान के चालक और सह-चालक भी विमान के अंदर फंस गए थे।

फीचर

गर्दन से जुड़ी इन समस्याओं को नजरअंदाज करना है नुकसानदायक, इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

गर्दन की समस्याएं आम हो गई हैं, खासकर उन लोगों में, जो लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन के सामने बैठकर काम करते हैं। इन समस्याओं का सीधा असर रीढ़ की हड्डी पर पड़ता है, जिससे कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। आइए आज हम आपको गर्दन से जुड़ी उन समस्याओं के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में आपको हर दिन कुछ संकेत मिलते हैं और इन्हें नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।

गर्दन में अकड़न या दर्द होना

अगर आपको गर्दन में अकड़न या दर्द महसूस होता है तो इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि यह संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं या फिर किसी चोट के कारण आपको यह समस्या हो रही है।अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह रीढ़ की हड्डी को भी प्रभावित कर सकता है। नियमित खिंचाव और गर्दन की हल्की एक्सरसाइज करने से इस समस्या में सुधार हो सकता है।

सिरदर्द होना

अगर आपको बार-बार सिरदर्द हो रहा है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में कुछ गड़बड़ी है, खासकर कंप्यूटर या मोबाइल का अधिक उपयोग करने से यह समस्या बढ़ सकती है।

इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी स्क्रीन के सामने बैठने की मुद्रा सही रखें और हर 30 मिनट बाद आराम करें।

इसके अलावा सिरदर्द को कम करने के लिए पानी पिएं और आरामदायक कुर्सी पर बैठकर काम करें।

हाथों में सुन्नपन या झनझनाहट होना

अगर आपको हाथों में सुन्नपन या झनझनाहट महसूस हो रही है तो यह भी एक महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में दबाव बढ़ रहा है।

यह समस्या अक्सर लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठने या सोते समय गलत मुद्रा अपनाने से हो सकती है।

इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि इससे हाथों की नसें दब सकती हैं, जिससे हाथों की संवेदनशीलता प्रभावित हो सकती है।

नींद में परेशानी होना

अगर आपको सोते समय गर्दन में दर्द या अकड़न होती है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में कुछ गड़बड़ी है। गलत तकिए का उपयोग या फिर सोते समय गलत मुद्रा अपनाने से यह समस्या बढ़ सकती है।

इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि इससे आपकी नींद प्रभावित हो सकती है और आपको पूरे दिन थकान महसूस हो सकती है। सही तकिए का चयन और आरामदायक स्थिति में सोना इस समस्या का समाधान हो सकता है।

गर्दन की गति में कमी आना

अगर आपको अपनी गर्दन घुमाने में कठिनाई हो रही हो तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन कमजोर हो रही है। इस समस्या का मुख्य कारण मांसपेशियों का तनाव होना हो सकता है। इसे ठीक करने के लिए नियमित खिंचाव करना जरूरी है।

इन सभी संकेतों पर ध्यान देकर आप अपनी गर्दन की समस्याओं का समय रहते समाधान कर सकते हैं और अपनी रीढ़ की हड्डी को सुरक्षित रख सकते हैं।

पूजा हेगड़े का रेड हॉट अवतार हुआ वायरल, इंडो-वेस्टर्न लुक में दिखीं बेहद ग्लैमरस

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की गॉर्जियस एक्ट्रेस पूजा हेगड़े एक बार फिर अपने फैशनेबल और ग्लैमरस अवतार को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका लुक देखते ही बन रहा है।

तस्वीरों में पूजा हेगड़े ब्राइट रेड कलर का बेहद अट्रैक्टिव इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन एंसेंबल पहने नजर आ रही हैं। उनकी यह ड्रेस एक प्री-ड्रैप्ड साड़ी और पेपलम स्टाइल कॉम्बिनेशन का बेहतरीन मेल है। आउटफिट पर बारीक मिरर वर्क, सेक्विन और गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम किया गया है।

ट्रेडिशनल टच के साथ-साथ इसमें एक मॉडर्न ट्विस्ट भी दिया गया है। स्ट्रैपलेस कॉर्सेट-स्टाइल ब्लाउज और बैक पर बनी क्रॉस-डिटेलिंग पूजा हेगड़े के पूरे लुक को बोल्ड और एलिगेंट बना रही है।अपने इस गॉर्जियस रेड आउटफिट को कम्प्लीट करने के लिए पूजा ने ज्वेलरी को बेहद मिनिमल रखा है। उन्होंने हैवी गोल्ड और स्टोन-स्टडेड डैंगलर इयररिंग्स चुने हैं, जो उनके एथनिक टच को और बढ़ा रहे हैं। हेयर स्टाइलिंग की बात करें तो, उन्होंने अपने शॉर्ट हेयर को सॉफ्ट वेव्स के साथ ओपन रखा है। वहीं, न्यूड लिपकलर, सॉफ्ट स्मोकी आइज और हाइलाइटेड चीकबोन्स के साथ उनका सटल मेकअप उनके फेशियल एक्सप्रेशन को और उभार रहा है।रॉयल बैकड्रॉप और क्लासिक इंटीरियर के बीच खिंचवाई गई इन तस्वीरों में पूजा के बोल्ड और ग्रेसफुल पोज फैंस का ध्यान खींच रहे हैं। कभी सीढ़ियों के पास तो कभी विंटेज डोर के सहारे पोज देते हुए पूजा का कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन पूरी तरह से ऑन-पॉइंट नजर आ रहा है।

मुसाफिर कैफे वाली वेदिका पिंटो के हाथ लगी प्रोसित रॉय की फिल्म, लक्ष्य संग जमेगी जोड़ी

नेटफ्लिक्स की सीरीज मुसाफिर कैफे (जुलाई, 2026) में नजर आई वेदिका पिंटो के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है। खबर है कि फिल्म निर्देशक प्रोसित रॉय की अगली मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में वह मुख्य किरदार निभाएंगी, जिसमें लक्ष्य की पुष्टि पहले से हो चुकी है। फिल्म का शीर्षक अब तक तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे एक अनूठी मनोवैज्ञानिक प्रेम कहानी बताया जा रहा है। लक्ष्य और वेदिका के रूप में दर्शकों को जल्द ही एक नई जोड़ी दिखाई देगी।

एक सूत्र ने कहा, वेदिका इस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इस भूमिका के लिए ऐसी अभिनेत्री की जरूरत है जो इसमें ताजगी और तीव्रता ला सके, और वह इस किरदार में बखूबी फिट बैठती हैं। प्रोसित को लक्ष्य के साथ जिस तरह की ऊर्जा चाहिए थी, उसके बारे में वे स्पष्ट थे, और वेदिका इसके लिए एकदम सही विकल्प साबित हुईं। उनकी जोड़ी बिल्कुल नई है, और निर्माता इसी बात को लेकर उत्साहित हैं।

सूत्र ने आगे कहा, फिल्म निर्माता इस परियोजना को इस साल के अंत में निर्माण कार्य में लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। फिल्म 2027 में रिलीज होने की योजना है।

बताया जा रहा है कि फिल्म में प्रेम-कहानी के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को गहराई से दिखाया जाएगा। एक पारंपरिक प्रेम-कहानी के विपरीत, यह फिल्म अपने मनोवैज्ञानिक तत्वों से रोमांस में एक नया आयाम जोड़ेगी।

तनाव महसूस हो रहा है? जिगसॉ पजल बनाना हो सकता है फायदेमंद, जानें कैसे

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बन गई है। चाहे काम का दबाव हो या व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियां, हम सभी कभी न कभी तनाव का सामना करते हैं। इस स्थिति में जिगसॉ पजल एक अनोखा और असरदार उपाय हो सकता है। यह न केवल आपके दिमाग को व्यस्त रखता है, बल्कि आपको मानसिक शांति भी देता है। आइए जानते हैं कि जिगसॉ पजल्स कैसे तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।

ध्यान केंद्रित करने का अच्छा तरीका

जिगसॉ पजल्स को बनाते समय आपका पूरा ध्यान उस पर केंद्रित होता है। इससे आपका मन अन्य चिंताओं से हटकर सिर्फ एक ही काम पर केंद्रित हो जाता है।

यह प्रक्रिया आपके दिमाग को शांत करने में मदद करती है और आपको मानसिक शांति देती है। जब आप किसी जिगसॉ को पूरा करते हैं तो आपको एक संतोषजनक अनुभव मिलता है, जो आपके मूड को बेहतर बनाता है और तनाव को कम करता है।

समस्या समाधान की बढ़ती है क्षमता

जिगसॉ पजल को हल करने के लिए, समस्या समाधान की क्षमता की जरूरत होती है। जब आप अलग-अलग टुकड़ों को जोड़ते-गोड़ते हुए एक तस्वीर बनाते हैं तो आपकी

सोचने की क्षमता तेज होती जाती है इससे आपका दिमाग नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहता है और आप अपने रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का समाधान बेहतर तरीके से कर पाते हैं। इस प्रक्रिया से आपका मानसिक संतुलन भी बना रहता है।

सिखाता है धैर्य और समर्पण

जिगसॉ पजल बनाने में समय लगता है और इसमें धैर्य की जरूरत होती है। जब आप किसी जिगसॉ को पूरा करने में लगे होते हैं तो आपको धीरे-धीरे काम करने की आदत पड़ती है इससे आपका धैर्य बढ़ता है और आप अन्य कामों में भी जल्दबाजी किए बिना ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। इसके अलावा यह समर्पण की भावना भी सिखाता है, जो आपके जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी मददगार साबित होती है।

रचनात्मकता को मिलता है बढ़ावा

जिगसॉ पजल बनाने में रचनात्मकता की जरूरत होती है। जब आप अलग-अलग आकार के टुकड़ों को जोड़ते-गोड़ते हुए एक तस्वीर बनाते हैं तो आपकी रचनात्मक सोच विकसित होती जाती है इससे आपका दिमाग नई-नई सोचने की क्षमता विकसित करता है और आप अधिक रचनात्मक बनते जाते हैं। यह प्रक्रिया आपके मानसिक संतुलन को भी बेहतर बनाती है और आपको मानसिक शांति देती है इस तरह जिगसॉ पजल आपके दिमागी विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

सामाजिक संबंध मजबूत करने में करता है मदद

जिगसॉ पजल को परिवार या दोस्तों के साथ मिलकर बनाने से सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। जब आप किसी जिगसॉ को मिलकर बनाते हैं तो आपसी समझ बढ़ती है और रिश्ते मजबूत होते हैं इससे न केवल आपका तनाव कम होता है, बल्कि आपके जीवन में खुशी भी बढ़ती है। इस प्रकार जिगसॉ पजल एक सरल, लेकिन असरदार तरीका हो सकता है तनाव कम करने का। इसे अपने दैनिक जीवन में शामिल करें और मानसिक शांति पाएं।

शिवनाथ नदी में बहे युवक का शव दो दिन के सघन रेस्क्यू के बाद बरामद

दुर्ग, (आरएनएस)। पुलगांव थाना क्षेत्र के गनियारी स्थित शिवनाथ नदी में पिकनिक मनाने के दौरान तेज बहाव में बहे युवक का शव दो दिन तक चले सघन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद SDRF की टीम ने बरामद कर लिया। युवक नदी किनारे बर्तन धोने के दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया था।

जानकारी के अनुसार, 6 सितंबर की शाम तीन युवक गनियारी स्थित शिवनाथ नदी के तट पर पिकनिक मनाने पहुंचे थे। इसी दौरान सहदेव महोबिया (32), पिता मुरली महोबिया, निवासी खुर्सीपार, भिलाई नदी किनारे बर्तन धो रहा था। अचानक पैर फिसलने और नदी के तेज बहाव के कारण वह गहरे पानी में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही SDRF दुर्ग की रेस्क्यू टीम मोटर बोट और आधुनिक बचाव उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची और तत्काल सर्च ऑपरेशन शुरू किया। नदी के तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच टीम ने 6 सितंबर की शाम से लगातार अभियान चलाया।

दो दिन की मशक्कत के बाद मिली सफलता

एसडीआरएफ की टीम ने 6 और 7 सितंबर को लगातार दो दिनों तक नदी में सघन तलाशी अभियान चलाया। जोखिम भरी परिस्थितियों के बावजूद जवानों ने मोटर बोट और बचाव उपकरणों की मदद से नदी के विभिन्न हिस्सों में सर्चिंग की। आखिरकार टीम को युवक का शव बरामद करने में सफलता मिली। शव को नदी से बाहर निकालने के बाद स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

डीएमएफ के निर्माण कार्यों में गड़बड़ी पर कलेक्टर की सख्ती

सीढ़ी मंगवाकर कलेक्टर ने मौके पर नपवाया सरिया, 8 एमएम की जगह 6 एमएम सरिया मिलने पर सब इंजीनियर को निलंबित करने के निर्देश

कोरबा (आरएनएस)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने रविवार को खनन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से निर्माणाधीन आंगनबाड़ी, स्कूल एवं पीडीएस भवनों का निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं करने की स्पष्ट चेतावनी देते हुए उन्होंने मौके पर ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच कराई। इस दौरान निर्माण कार्यों में गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

सीढ़ी मंगवाकर मौके पर नपवाया सरिया, खुली अनियमितता

जनपद पंचायत कटघोरा अंतर्गत ग्राम पंचायत जेन्जरा में डीएमएफमद से निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को भवन में प्रयुक्त सरिया की गुणवत्ता और निर्धारित माप को लेकर शंका हुई। उन्होंने मौके पर ही सीढ़ी मंगवाकर जनपद पंचायत के सब इंजीनियर से स्लैब के पास लगे सरिया की माप कराने के निर्देश दिए।

सब इंजीनियर द्वारा भवन में 8 एमएम सरिया लगाए जाने की जानकारी दी गई थी, लेकिन मौके पर माप करने पर कई स्थानों पर 8 एमएम के स्थान पर 6 एमएम सरिया पाया गया। इस पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्माण कार्य की विस्तृत जांच के लिए पंचनामा तैयार करने तथा संबंधित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल रमेन डेका ने कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र का उद्घाटन भी किया।

जशपुर में 30 हाथियों के दल का आतंक, दर्जनों गांवों में दहशत

जशपुर, (आरएनएस)। जिले के तपकरा वन परिक्षेत्र में इन दिनों हाथियों के दल ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। करीब 30 हाथियों का दल पिछले एक सप्ताह से तपकरा के जंगलों में डेरा जमाए हुए है। देर शाम भोजन की तलाश में हाथियों का दल जंगल से निकलकर आसपास के गांवों की ओर रुख कर रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

हाथियों का दल जमुना, साजबहार, बाम्हनमारा, बाघियाकानी, बरकसपाली और बलुवाबहार समेत आसपास के कई गांवों में पहुंचकर धान की फसल को रौंदकर नुकसान पहुंचा रहा है। इसके अलावा हाथियों ने दो घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। घरों में रखा अनाज भी हाथियों ने चट कर दिया।

हाथियों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में भय का माहौल है। सैकड़ों ग्रामीण रातभर जागकर अपने घरों और फसलों की निगरानी करने को मजबूर हैं। शाम होते ही ग्रामीण हाथियों के गांव की ओर आने की आशंका को लेकर सतर्क हो जाते हैं।

रायपुर में अपराधों का सिलसिलाः डकैती की योजना बनाते पांच गिरफ्तार, गांजा-शराब और नशीली गोलियां भी जब्त

खम्हारडीह में बदमाशों के कब्जे से चाकू, कैंची, पाइप और गंडासा बरामद; अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी और झपटमारी के मामले दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, झपटमारी, अवैध शराब और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की है।

खम्हारडीह पुलिस ने कचना तालाब के पास खेल मैदान में डकैती की योजना बनाते पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से धारदार हथियारों सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। वहीं राजेंद्र नगर पुलिस ने गांजा और अवैध शराब के मामले में कार्रवाई की, जबकि डीडी नगर पुलिस ने नशीली प्रतिबंधित गोलियां जब्त की हैं।

कचना तालाब के पास डकैती की योजना, पांच गिरफ्तार

खम्हारडीह थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कचना तालाब के पास कुछ लोग डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस के मुताबिक मौके पर पांच आरोपी मिले, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक टाटा एस वाहन, तीन धारदार चाकू, दो कैंची, स्टील का पाइप और लोहे का गंडासा बरामद किया गया। मामले में पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

बात करते पैदल जा रहे युवक से मोबाइल झपटा

सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में महोबा बाजार ओवरब्रिज के पास मोबाइल झपटमारी का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार जितेश साहू मोबाइल पर बात करते हुए पैदल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल सवार अज्ञात व्यक्ति आया और उनके हाथ में रखा वीवो कंपनी का मोबाइल फोन, जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये थी, झपटकर फरार हो गया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुढ़ियारी में 20 हजार की एक्टिवा चोरी

गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में दही हांडी मैदान के पास खड़ी होंडा एक्टिवा चोरी हो गई। वाहन की कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई गई है। शिकायतकर्ता स्वपनील की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

खनन प्रभावित ग्रामों को आदर्श ग्राम बनाने कलेक्टर कुणाल दुदावत ने शुरु की पहल

कोरबा (आरएनएस)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के कोयला उत्खनन से प्रभावित ग्रामों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल शुरू की है। इसी क्रम में उन्होंने ग्राम पंचायत ढेलवाडीह, जवाली, डोंगरी, रंजना, बतारी और ग्राम बेलटिकरी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के बीच बैठकर सीधे संवाद किया, उनकी समस्याएं जानीं और गांव के समग्र विकास के लिए ग्रामीणों से सुझाव एवं प्रस्ताव लिए।

कलेक्टर ने संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों से कहा कि वे सभी पंचों एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांव की प्राथमिक आवश्यकताओं और विकास कार्यों की समग्र कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित ग्रामों में प्रत्येक परिवार को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए आवश्यकतानुसार राशि की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने पेयजल, सड़क, बिजली, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और आंगनबाड़ी जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका के क्षेत्र में भी बेहतर कार्य करने पर जोर दिया।

खनिज न्यास के कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश

कलेक्टर श्री दुदावत ने खनन प्रभावित ग्रामों में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

10 सितंबर से तेज होगी मानसून की रफ्तार, 16 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

छत्तीसगढ़ में दो दिन बाद बदलेगा मौसम का मिजाज

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में फिलहाल बारिश का दौर कमजोर है, लेकिन अगले तीन दिनों में मौसम करवट ले सकता है। 8 सितंबर से उत्तर छत्तीसगढ़ में बारिश की गतिविधियां बढ़ने के बाद इसका असर धीरे-धीरे मध्य हिस्सों तक पहुंचने की संभावना है। कई जगह हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक की स्थिति बन सकती है।

8 सितंबर से बढ़ेगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार 8 सितंबर को सरगुजा और बलरामपुर में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है. कुछ स्थानों पर वज्रपात की भी आशंका है।

9 सितंबर को छह जिलों में असर

9 सितंबर को बारिश का दायरा बढ़कर सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, बिलासपुर, कोरबा और बलौदाबाजार तक पहुंच सकता है। इन जिलों में भारी बारिश के साथ गरज-चमक होने की संभावना जताई गई है।

10 सितंबर को 16 जिलों में अलर्ट

10 सितंबर को बारिश का प्रभाव और व्यापक होने की संभावना है। सरगुजा, जशपुर, कोरिया, एमसीबी, बलरामपुर, बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मुंगेली, बलौदाबाजार, रायपुर, बेमेतरा, दुर्ग और महासमुंद में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

11 और 12 सितंबर को भी बारिश

मौसम विभाग ने 11 और 12 सितंबर को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। दोनों दिनों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी भी दी गई है। अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

खेल समाचार

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन 5 भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली (ए.) । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन पांच भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं। जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं। संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है।

टी20 इंटरनेशनल में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड? 2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

नई दिल्ली (ए.) । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है। हालांकि, बुमराह फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही इस सीरीज में हिस्सा ले पाएंगे। इसके साथ ही वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में रखा गया है। 15 वर्षीय वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करेंगे यह देखना दिलचस्प होगा।

दिव्यांश जोशी का तूफानी शतक, रिंकू सिंह की कप्तानी में मेरठ मेवरिक्स ने जीता यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब

नई दिल्ली (ए.) । मेरठ मेवरिक्स ने यूपी टी20 लीग 2026 के खिताब को अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से रौंदा। रिंकू सिंह की कप्तानी में मेरठ टीम का प्रदर्शन खिताबी मुकाबले में लाजवाब रहा। मेरठ मेवरिक्स ने दूसरी बार खिताब को अपने नाम किया है। इससे पहले, साल 2024 में टीम ने ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। मेरठ मेवरिक्स से मिले 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ फॉल्कंस का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 109 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और हिमांशउ सिंह महज 5 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आराध्य यादव भी सिर्फ 5 रन ही बना सके। मोहम्मद सैफ 12 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। अजित वर्मा 4 रन बनाकर रनआउट हुए, जबकि अक्षु बाजवा 4 रन ही बना सके। प्रियाम गर्ग बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। विपराज निगम 3 रन बनाकर जीशान अंसारी का शिकार बने। भुवनेश्वर कुमार 5 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में मेरठ मेवरिक्स की ओर से विशाल चौधरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर के स्पेल में 24 रन देकर चार विकेट चटकाए। वहीं, जीशान अंसारी ने दो विकेट निकाले।

इससे पहले, मेरठ मेवरिक्स की शुरुआत भी अच्छी रही और स्वास्तिक चिकारा (18 रन) और दिव्यांश जोशी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों में 24 रनों का योगदान दिया। अक्षय दुबे 10 गेंदों में 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान रिंकू सिंह भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, दिव्यांश जोश एक छोर को संभालकर खड़े रहे और उन्होंने महज 40 गेंदों में 105 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान दिव्यांश ने 262 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 12 चौके और 7 छक्के लगाए। दिव्यांश की तूफानी शतकीय पारी की बदौलत मेरठ मेवरिक्स 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 203 रन स्कोरबोर्ड पर लगाने में सफल रही।

कोनोली-कुन्हेमैन की क्यों हुई ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में वापसी? समझिए नेसर कैसे बन सकते हैं साउथ अफ्रीका में ट्रंप कार्ड

नई दिल्ली (ए.) । साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। मैथ्यू कुन्हेमैन, कूपर कोनोली और माइकल नेसर की टीम में वापसी हुई है। आइए आपको बताते हैं इन तीनों खिलाड़ियों को किस आधार पर टेस्ट टीम में वापस बुलाया गया है। कूपर कोनोली ÷ ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए ऑलराउंडर कूपर कोनोली ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था। लगभग डेढ़ साल बाद कोनोली को दोबारा से टेस्ट टीम में जगह दी गई है। इसका कारण यह है कि कोनोली ने पिछले कुछ समय में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया है। बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज में कोनोली का प्रदर्शन दमदार रहा था। उन्होंने सीरीज के तीसरे वनडे में 149 रनों की बड़ी पारी खेलकर अपने धैर्य और संयम का परिचय दिया था। कोनोली तेजी से रन बटोरने में तो माहिर है ही लेकिन उनकी बल्लेबाजी में वो स्थिरता भी नजर आती है, जो टेस्ट फॉर्मेट में कामयाब होने के लिए एक बल्लेबाज के लिए सबसे जरूर मानी जाती है। बल्ले के साथ-साथ वह गेंद से भी अहम योगदान

दे सकते हैं। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में कोनोली का बल्लेबाजी औसत 42.10 का रहा है।

मैथ्यू कुन्हेमैन: साल 2023 में भारत दौरे पर आए मैथ्यू कुन्हेमैन ने अपनी गेंदबाजी से खूब सुर्खियां बटोरी थीं। उस सीरीज में कुन्हेमैन ने 3 टेस्ट मैचों में 9 विकेट अपने नाम किए थे। यही नहीं, बल्कि नाथन लायन के साथ मिलकर वह भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हुए थे। बाएं हाथ के स्पिनर का प्रदर्शन जून में पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज में भी दमदार रहा था और वह घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी काबिलियत साबित करते रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने किफायती गेंदबाजी करने के साथ-साथ 3 मुकाबलों में 5 विकेट भी निकाले थे। यही वजह है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें नाथन लायन का साथ देने के लिए एक बार फिर से चुना गया है। माइकल नेसर: चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज को मिस करने वाले माइकल नेसर की टीम में वापसी हुई है। एशेज सीरीज 2025-26 में नेसर ने अपनी गेंदबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया था। उन्होंने महज 3 मुकाबलों में 15 विकेट अपने नाम किए थे। साउथ अफ्रीका की उछाल लेती पिचों पर नेसर काफी कारगर साबित हो सकते हैं। गेंद के साथ-साथ वह बल्ले से भी योगदान देने की काबिलियत रखते हैं। नेसर के होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी तो मजबूत होगी ही, इसके साथ ही टीम की बललेबाजी में गहराई भी बढ़ेगी।

इंग्लैंड क्रिकेट में पीटरसन की मिली जिम्मेदारीः सीमित ओवर टीम से इस भूमिका में जुड़ेंगे, विश्व कप तक होगा साथ

लंदन (ए.) । पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीमों का विशेषज्ञ मेंटोर बनाया गया है। पीटरसन इस महीने के आखिर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग स्टाफ में मार्कस ट्रेसकोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी हैं।

टीम से फिर जुड़ने पर उत्सुक हैं पीटरसन

पीटरसन इस साल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के दौरों पर भी टीम के साथ होंगे। इसके बाद पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज और विश्व कप में टीम के साथ रहेंगे। पीटरसन ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी बयान में कहा, मुझे गर्व है कि मुझे दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप में टीम की मदद करने के लिए कहा गया है। इंग्लैंड की जर्सी 2014 के बाद पहली बार फिर पहनना मेरे लिए गर्व का पल होगा।

दलीप ट्रॉफी फाइनलः तिहरा शतक नहीं लगा सके ईशान किशन, ईस्ट जोन ने बनाया विशाल स्कोर; कुशाग्र ने जड़ा शतक

चेन्नई (ए.) । दलीप ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन भी ईस्ट जोन के बल्लेबाजों का दम दिखा। कप्तान ईशान किशन भले ही तिहरा शतक नहीं लगा सके, लेकिन उनकी शानदार पारी के बदौलत ईस्ट जोन ने साउथ जोन के खिलाफ पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ईस्ट जोन की पहली पारी समाप्त होने के साथ ही दूसरे दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई।

दूसरा दिन भी ईस्ट जोन के नाम रहा

ईस्ट जोन के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान ईशान किशन ने बनाए जो 334 गेंदों पर 30 चौकों और सात छक्के की मदद से 270 रन बनाकर आउट हुए। उनके अलावा कुमार कुशाग्र ने 132 गेंदों पर आठ चौकों और पांच छक्कों के सहारे 101 रन की पारी खेली। शुरुआती दो दिन ईस्ट जोन के बल्लेबाजों का दम देखने मिला। दूसरे दिन ईशान रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गए थे, लेकिन बाद में वह फिर बल्लेबाजी के लिए उतरे। हालांकि, साउथ जोन की टीम दिन का खेल समाप्त होने तक ईस्ट जोन की पारी खत्म करने में सफल रही। ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जिन्हें त्रिपुराणा विजय ने अपना शिकार बनाया। ईस्ट जोन के लिए अनुकूल रॉय ने 45, मोहम्मद कौनेन कुरैशी ने 40 और मोहम्मद शमी ने 28 रन बनाए। साउथ जोन की ओर से त्रिपुराणा विजय ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए, जबकि चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल को दो-दो विकेट मिले। शेख रशीद एक विकेट लेने में सफल रहे।

नर्मदापुरम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. विचित्र कुमार सिन्हा की स्मृति में मार्ग का नामकरण होने पर कायस्थ समाज सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल

नर्मदापुरम (निप्र.)। नर्मदापुरम शहर के प्रमुख मार्गों में से एक नर्मदा महाविद्यालय से सर्किट हाउस तक के मार्ग को अब स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वण्विचित्र कुमार सिन्हा की स्मृति को समर्पित कर दिया गया है। अब यह मार्ग आधिकारिक तौर पर विचित्र कुमार सिन्हा मार्ग के नाम से जाना जाएगा। शासन और प्रशासन के इस फैसले का अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने नर्मदापुरम के कायस्थ समाज और स्थानीय नागरिकों की तरफ से पुरजोर स्वागत किया है एवं इस उपलब्धि को प्रदान करने के लिए विधायक डॉ सीताशरण शर्मा नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे दैनिक क्षितिज किरण के संपादक केके सक्सेना भावना सक्सेना, विलक्षण सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया विचित्र कुमार सिन्हा कायस्थ समाज के एक प्रतिष्ठित और गौरवशाली स्तंभ रहे हैं। महासभा के प्रांतीय सचिव राजीव खरे एवं अन्य

पदाधिकारियों और प्रबुद्धजनों ने कहा कि विचित्र कुमार ने देश की आजादी की लड़ाई में और समाज सेवा में जो अभूतपूर्व योगदान दिया, उसे यह नामकरण एक सच्ची श्रद्धांजलि देता है। समाज के लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। विचित्र कुमार सिन्हा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे एक लेखक कवि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पत्रकार थे। और उनके परिवार कायस्थ समाज को सदा सहयोग करते हैं 5 सितम्बर 2026 को इस महान विभूति के नामकरण के अवसर पर नगर पालिका के उपाध्यक्ष अभय वर्मा महासभा एवं विचित्र कुमार सिन्हा समिति के ऊर्जावान सदस्य विजय प्रकाश श्रीवास्तव भानु प्रकाश श्रीवास्तव सजेंद्र श्रीवास्तव अजय निगम को कार्यक्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम में महासभा के राजीव खरे मुकेश श्रीवास्तव अशोक श्रीवास्तव पवन सक्सेना लता सक्सेना डॉ दिनेश श्रीवास्तव रश्मि कुलश्रेष्ठ ख्याति सक्सेना सुश्री जय वाला निगम राधेश्याम श्रीवास्तव मुकेश कानूनगो देवेंद्र श्रीवास्तव आलोक कुलश्रेष्ठ आरएस चौहान भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम में 12 सितंबर को लगेगी नेशनल लोक अदालत, बिजली और नगर पालिका के बकाया बिलों पर मिलेगी बड़ी छूट

नर्मदापुरम (निप्र.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर जिले में वर्ष की तृतीय नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। इस लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोमवार को जिला न्यायालय परिसर से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती तृप्ती शर्मा ने प्रचार-वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार रथ जिले के समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोक अदालत के बारे में लोगों को जागरूक करेगा। श्रीमती तृप्ती शर्मा ने बताया कि इस नेशनल लोक अदालत में आमजन के लिए बड़ी राहत रहेगी। विद्युत विभाग द्वारा बिजली के बकाया बिलों पर एवं नगर पालिका द्वारा जलकर और संपत्तिकर की बकाया राशि पर नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और 12 सितंबर को जिला न्यायालय नर्मदापुरम सहित सभी तहसील न्यायालयों में उपस्थित होकर अपने लंबित मामलों का निराकरण कराएं।

प्रेरणा कान्वेंट इंटरनेशनल स्कूल कनक प्रजापति का संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ

नर्मदापुरम (निप्र.)। प्रेरणा कान्वेंट इंटरनेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा कनक प्रजापति का चयन संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए

हुआ है। संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 07 सितंबर 2026 हरदा में किया गया। कनक के चयन पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय की ओर से छात्रा को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर स्कूल डायरेक्टर समर्पिता सोनी प्राचार्या विनीता तिवारी स्पोर्ट्स शिक्षिका प्रीति मांझी कराते कोच यशवंत सिंह आंकरे भाग्यम श्रीकांत कोसीकी दुबे एवं समस्त स्टाफ ने कनक प्रजापति को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साक्षरता अभियान केंद्र सरकार की बेहतरीन पहल : डॉ तोमर

महिला और ग्रामीण साक्षरता दर अभी भी पिछड़ी हुई है जो चिंताजनक विषय है

नर्मदापुरम (निप्र.)। डॉ मयंक तोमर जो शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा नाम बन चुके हैं। उन्होंने लगातार मेहनत फोकस और दृढ़ संकल्प से पढ़ाई.लिखाई और उच्च शिक्षा में सफलता हासिल की। अगर हम डॉ तोमर के अतीत को देखें तो वह दूसरे बच्चों की तरह ही बहुत साधारण थे।

उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी कामयाबी हासिल की जो कई युवाओं के लिए एक सपना होता है। उन्होंने न सिर्फ तीन ग्रेजुएशन डिग्रियां हासिल कीं बल्कि अलग.अलग क्षेत्रों में 4 पोस्ट.ग्रेजुएट डिग्रियां और डिप्लोमा भी प्राप्त किए। वे न केवल सबसे कम उम्र के पीएचडी होल्डर हैं बल्कि मालदीव की एक यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा में उनके योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ़ लेटर्स मानद डॉक्टरेट से भी सम्मानित किए गए हैं।

ऐसा नहीं है कि उन्होंने सिर्फ़ अपने लिए शिक्षा हासिल की डॉ तोमर सिविल सेवा की तैयारी करने वालों को मुफ़्त क्लास देते हैं स्कूली छात्रों को करियर गाइडेंस और मोटिवेशन देते हैं समय.समय पर यूनीसेफ को दान देते हैं और ग्रामीण इलाकों के छात्रों को मुफ़्त ट्यूशन भी पढ़ाते हैं। इन्हीं सब वजहों से डॉ मयंक तोमर नर्मदापुरम जिले में भारत सरकार के साक्षरता अभियान के पहले ब्रांड एंबेसडर बने।

आज के अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जब डॉ मयंक तोमर से इस दिन के महत्व के बारे में बात की तो उन्होंने उत्तर दिया कि नवभारत साक्षरता अभियान केंद्र सरकार की एक बेहतरीन पहल है फिर भी हमारे राज्य को नए रिकॉर्ड बनाने की आवश्यकता है। महिला और ग्रामीण साक्षरता दर अभी भी पिछड़ी हुई है जो चिंताजनक विषय है और जिसका समाधान केवल जन जागरूकता और जन भागीदारी से ही संभव है।

जिले में 1 जून से आज दिनांक तक 744.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र.)। जिले में 1 जून 2026 से आज दिनांक को प्रातः 8 बजे तक जिले में 744.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 1233.4 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया है कि 06 सितम्बर से 07 सितम्बर 2026 को प्रातः 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 0.2 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 2.0 मिलीमीटर, इटारसी 0.0 मिलीमीटर, माखननगर में 0.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 0.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 1.0 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 0.4 मिलीमीटर, पचमढी में 3.0 एवं तहसील डोलरिया 0.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया कि वर्तमान में सेठानी घाट का जलस्तर 947.20 फीट है, तवा जलाशय का 1156.80 फीट है, बरगी जलाशय का 421.35 मीटर एवं बारना जलाशय 347.07 मीटर दर्ज किया गया है।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने किया 37 शिक्षकों का सम्मान

इटारसी (निप्र)। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने साईं कृष्णा रिजॉर्ट में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान देने वाले 37 शिक्षकों को सम्मानित कर उनके समर्पण को सराहा गया। कुसुम मालपानी स्कूल की छात्राओं ने हे गिरी नंदनी स्तोत्र का सुमधुर गायन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय और ऊर्जामय बना दिया। मंचासीन अतिथियों नपाध्यक्ष अध्यक्ष पंकज चौरे, नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मयंक महतो का स्वागत किया।

वक्ताओं ने शिक्षकों के महत्व और शिक्षा के गिरते.उठते स्वरूप पर विचार रखे। एसोसिएशन के अध्यक्ष नटवर पटेल ने स्वागत भाषण में कहा कि शिक्षक समाज का वह शिल्पकार है जो बिना किसी स्वार्थ के राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है। संस्था के संस्थापक एवं पत्रकार शिव भारद्वाज ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निजी विद्यालय सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को संस्कारवान और उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने का भगीरथ प्रयास कर रहे हैं जिसका पूरा श्रेय मेहनती शिक्षकों को जाता है।

संरक्षक दीपक हरिनारायण अग्रवाल ने गुरु की महिमा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि तकनीकी युग में भी एक शिक्षक के मार्गदर्शन का कोई विकल्प नहीं हो सकता। मुख्य अतिथि पंकज चौरे और राहुल चौरे ने भी संबोधित कर शिक्षकों की मेहनत को नमन करते हुए कहा कि समाज में शिक्षा और संस्कार का उजियारा फैलाने वाले शिक्षकों का सम्मान करना गर्व का विषय है।

37 शिक्षकों का सम्मान और नए अवार्ड की शुरुआत

समारोह का मुख्य आकर्षण 37 चयनित शिक्षकों का सम्मान रहा जिन्हें शॉल श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस वर्ष से संगठन ने एक सराहनीय पहल करते हुए श्री राधाकृष्णन अवार्ड की शुरुआत की है। यह नया अवार्ड संगठन के पूर्व सहसचिव स्वर्गीय मनोज पटेल की पावन स्मृति में प्रारंभ किया जो उपस्थित जनों के लिए एक भावुक क्षण रहा।

संचालन प्रवक्ता मंजू ठाकुर और अनुषा शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की सफलता पर सचिव प्रदीप जैन चिंटू ने सभी अतिथियों सम्मानित शिक्षकों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की पूरी कार्यकारिणी और सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इनमें मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष सरोज चौहान उपाध्यक्ष नीलेश जैन आरती जायसवाल रितेश शर्मा लोकेन्द्र साहू और सह सचिव घनश्याम शर्मा की सक्रिय भूमिका रही। मार्गदर्शक के रूप में मो जाफर सिद्दीकी का अहम सहयोग मिला। साथ में महिला सदस्य मनीता सिद्दीकी गुंजन जैन अनीता अग्रवाल बरखा पटेल श्वेता वशिष्ठ सहित अन्य ने भी अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता दर्ज कराई।

शिव संकल्प साहित्य परिषद और मां ललिता आश्रम द्वारा शिक्षकों का सम्मान

>>> डॉ कृष्णगोपाल मिश्र को डॉ सीठा की समृति में प्रदान किया साहित्य गौरव सम्मान

नर्मदापुरम(निप्र)। शिव संकल्प साहित्य परिषद और मां ललिता आश्रम के संयुक्त तत्वावधन शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन राज्यसभा सांसद माया नारोलिया के मुख्यातिथ्य और वरिष्ठ साहित्यकार पं गिरी मोहन गुरू, आचार्य पं अजय दुबे के संयोजन में किया गया। इस मौके पर विशेष रूप से नर्मदा महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं प्रख्यात साहित्यकार डॉ कृष्णगोपाल मिश्र को डॉ आरपी सीठा स्मृति साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने डॉ मिश्र को शाल श्रीफल अभिनंदन पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पं अजय दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां ललिता की पूजन अर्चन और श्री सूक्त एवं शिव रक्षा स्तोत्र के सामूहिक पाठ के साथ हुआ।

भारतीय काव्यशास्त्र के विशेषज्ञ डॉ मिश्र को रस.सिद्धांत पर तुलनात्मक लेखन के लिए डीलिट की उपाधि प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न पत्र.पत्रिकाओं में उनके दो सौ से अधिक शोधपरक एवं साहित्यिक आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। अपनी विशिष्ट व्याख्यान शैली और विषय की गहन प्रस्तुति के कारण उन्होंने प्रभावशाली वक्ता के रूप में अलग पहचान बनाई है।

डॉ मिश्र ने देश.विदेश में आयोजित विभिन्न साहित्यिक गोष्ठियों एवं आयोजनों में अध्यक्षता और सहभागिता की है। साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें मिला यह सम्मान साहित्य जगत में उनके सतत योगदान का सम्मान माना गया। इस अवसर पर अनेक शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिनमें ब्रज भूषण वशिष्ठ, डॉ नरेंद्र सिंह परिहार, पहलवान रणजीत सिंह,सहित अनेक समाजसेवियों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कवियों ने काव्यपाठ भी किया।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के संयोजक पं गिरिमोहन गुरु नगरश्री ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा, बाबूलाल कदम, सुभाष यादव, पूर्व प्राचार्य नीलकमल उपाध्याय, रामू यादव, अखिलेश गुरु सहित साहित्य एवं पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े अनेक लोग उपस्थित रहे। समापन अवसर पर श्री गुरु पर केंद्रित सृजन -साक्षी एक झलक का विमोचन अतिथियों एवं कवियों की उपस्थिति में हुआ।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर आज जिला चिकित्सालय में फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर 8 सितंबर को जिले में स्वास्थ्य एवं सक्रिय जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष विश्व फिजियोथेरेपी दिवस की थीम हृदयाघात एवं मस्तिष्क आघात रखी गई है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त जिलों में चिकित्सालय स्तर पर फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित किए जाएंगे। फिजियोथेरेपी हृदयाघात एवं मस्तिष्क आघात के बाद मरीजों के शारीरिक पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके माध्यम से हृदय की कार्यक्षमता में सुधार, रक्त संचार बेहतर करने, मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने, सांस फूलने में कमी, दर्द एवं जकड़न से राहत, आत्मविश्वास एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार तथा जटिलताओं के जोखिम को कम करने में सहायता मिलती है। कैंप के माध्यम से नागरिकों को नियमित शारीरिक गतिविधि एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

शिक्षकों से ही उच्च संस्कार मिलते हैं : मीना वर्मा

शिव कालोनी रामायण मंडली ने किया शिक्षक सम्मान

नर्मदापुरम(निप्र)। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिवकालोनी में रामायण मंडली द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष मीना वर्मा ने कहा कि शिक्षकों से ही उच्च संस्कार मिलते हैं। समाज में शिक्षकों का स्थान सर्वोपरि है। बिना शिक्षा के न तो कोई कलेकटर बनता है न जज। बिना शिक्षा के बहुत परेशानी होती है। इसलिए वर्तमान समय में सभी पालक अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने में सबसे ज्यादा रूचि रखते हैं। हमारा सबका भी यही कर्तव्य है कि यदि गरीब परिस्थिति या किसी अन्य कारण से कोई बच्चा स्कूल नहीं जा रहा है तो उसे स्कूल पहुंचाने में मददगार साबित होना चाहिए। कालोनी की मंडली के द्वारा प्राचार्य दीपा तोमर का सम्मान किया गया। इस अवसर पर शकुन्तला तोमर, रेखा रघुवंशी, उमा सैनी, ज्योति तिवारी,अभा रघुवंशी, सुनीता रघुवंशी कार्यक्रम में शामिल रहीं। श्रीमती वर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मौसमी बीमारियों एवं वायरल संक्रमण की आशंका को देखते हुए पूरा स्वास्थ अमला अलर्ट मोड पर रहे : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम नर्मदापुरम(निप्र)। समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक का आयोजन सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के रेवा कक्ष में कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों, शिकायतों एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत चिन्हित शिकायतों के निराकरण

की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत चिन्हित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण नहीं करने वाले संबंधित एसडीएम एवं विभागीय अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाएं। उन्होंने आगामी शुक्रवार को नर्मदापुरम विकासखंड अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविर के लिए चिन्हित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही अथवा उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति, मार्कफेड, पंचायत एवं राजस्व विभाग के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी शुक्रवार से पूर्व सभी चिन्हित शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही, मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शिविर आयोजित होने तक शिकायतों की नियमित समीक्षा की जाए, ताकि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि जन विश्वास पोर्टल पर सभी प्रविष्टियां निर्धारित प्रारूप के अनुसार समय पर एवं नियमित रूप से दर्ज की जाएं। पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व आदेशों के अमल दरामद के कोई भी प्रकरण लंबित न रहें तथा लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com